शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 226 | गुवाहाटी | रविवार, 22 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चुनाव से पहले भाजपा उम्मीदवार को करना पड़ रहा है बांग्लादेशी होने ... पेज 2
विस चुनाव 2026 : असम प्रदेश भाजपा के समाचार विभाग की सक्रियता बढ़ी पेज 3
पंजाब में वेयर हाउसिंग के डीएम ने की आत्महत्या, परिवहन मंत्री का इस्तीफा पेज 5
बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एक दिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया पेज 7

मियां का वोट नहीं चाहती है भाजपा : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि भाजपा तथाकथित *बांग्लादेशी मुसलमानों* (मियां)के वोट की इच्छुक नहीं है, जबकि उन्होंने विश्वास जताया कि असमिया मुसलमान पार्टी के पक्ष में मतदान करेंगे। एक कार्यक्रम में शामिल होने से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि असमिया मुसलमान भाजपा को समर्थन देंगे, जिससे राज्य में स्वदेशी समुदायों के बीच पार्टी की पकड़ को लेकर उनका भरोसा झलकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ चल रहे बेदखली अभियान जारी रहेंगे और यह सरकार की नीति का हिस्सा है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि इन बेदखली अभियानों का आगामी चुनाव से कोई संबंध नहीं है और इसे राजनीतिक नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए।

राज्य में चुनाव प्रचार पर मंडराया बारिश का खतरा

अगले दो सप्ताह तक हो सकती है भारी बारिश : मौसम विभाग

गुवाहाटी। राज्य विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अपने चरम पर पहुंचने वाला है, ऐसे में राजनीतिक दलों के इवेंट मैनेजरों को मौसम के मिजाज पर निर्भर रहना पड़ेगा क्योंकि आने वाले पखवाड़े में बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नवीनतम साप्ताहिक पूर्वानुमान के अनुसार, अगले दो हफ्तों में पूर्वोत्तर में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम रहेगा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 19 मार्च को अपने पूर्वानुमान में कहा कि 19 और 21 मार्च को पूर्वोत्तर भारत में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, साथ ही 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और अगले सात दिनों के दौरान इस क्षेत्र में गरज और बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और उत्तरपूर्वी भारत में 26 मार्च से 1 अप्रैल तक के सप्ताह में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। 1 अप्रैल के बाद भी बारिश पूरी तरह से बंद होने की संभावना नहीं है। मौसम -शेष पृष्ठ दो पर

जयंत दास ने छोड़ी भाजपा, *उपेक्षा* का दिया हवाला

गुवाहाटी। भाजपा के वरिष्ठ नेता जयंत कुमार दास ने दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र से टिकट न मिलने के बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे पत्र में *व्यक्तिगत असुविधाओं* का हवाला दिया है। दास ने 20 मार्च को राज्य पार्टी अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में लिखा कि मैं व्यक्तिगत असुविधाओं के कारण भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों से अपना इस्तीफा देता हूं। सोशल मीडिया पोस्ट में अपने फैसले की घोषणा करते हुए दास ने कहा कि पार्टी ने वफादारी और बलिदान के बजाय अन्य बातों को प्राथमिकता देने का विकल्प चुना है। चुनावों के दौरान पार्टी टिकट न मिलने से मुझे दुख तो हुआ है, लेकिन उससे भी ज्यादा दुख मुझे मेरी 35 वर्षों की सेवा की अवहेलना से हुआ है। जब एक लंबे समय से सेवा कर रहे कार्यकर्ता -शेष पृष्ठ दो पर

धुरंधर के दर्शक भाजपा को ही वोट देंगे : मुख्यमंत्री

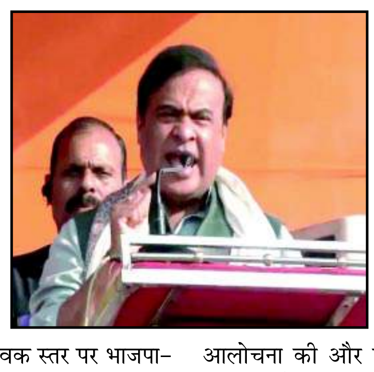

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने फिल्म *धुरंधर* की व्यावसायिक सफलता को भाजपा की चुनावी ताकत से जोड़कर एक राजनीतिक बहस छेड़ दी। फिल्म पर एक विशिष्ट विचारधारा को बढ़ावा देने के कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए शर्मा ने कहा कि बड़ी संख्या में दर्शकों का आना पार्टी के व्यापक समर्थन को दर्शाता है। पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि दर्शकों की संख्या वैश्विक स्तर पर भाजपा-आरएसएस समर्थकों की मौजूदगी का संकेत देती है। उन्होंने आगे कहा कि बड़ी संख्या में फिल्म देखने वाले लोग अंततः भाजपा के लिए वोटों में तब्दील होंगे, जो पार्टी के लिए एक सकारात्मक संकेत है। शर्मा ने कहा कि सुनने में आया है कि जब से कांग्रेसी धुरंधर को *आरएसएस की फिल्म* बता रहे हैं, जनता और भी ज्यादा संख्या में इसे देखने उमड़ रही है। इन टिप्पणियों की कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कड़ी आलोचना की और फिल्म निर्माताओं पर सांप्रदायिक विभाजन फैलाने का आरोप -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य की विकास रेखा के रूप में उभर रही है ब्रह्मपुत्र : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 21 मार्च को कहा कि राज्य का परिवर्तन तेजी से उसके जलमार्गों द्वारा संचालित हो रहा है, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी संपर्क, आर्थिक विकास और आजीविका के एक प्रमुख इंजन के रूप में उभर रही है। असम का परिवर्तन अब उसके जलमार्गों में झलक रहा है। आधुनिक टर्मिनलों और रात्रि नौका सेवाओं से लेकर नए जहाजों और आगामी परियोजनाओं तक, ब्रह्मपुत्र नदी कनेक्टिविटी और अवसरों की एक सच्ची जीवनरेखा बन रही है, शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतर्देशीय जल परिवहन सड़क, रेल और हवाई -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

35 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं हिमंत और उनकी पत्नी, एफिडेविट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन चल रहा है। असम के सीएम हिमंत विश्व ने जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन के दौरान दिए गए एफिडेविट में मुख्यमंत्री शर्मा और उनकी पत्नी की नेटवर्थ का खुलासा हुआ है। एफिडेविट में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और पत्नी, रिनिकी भुइयां शर्मा की कुल संपत्ति 35.16 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एफिडेविट में बताया कि उनके पास 2.28 लाख रुपए नकद और चार बैंकों में कुल 68,01,943 रुपए जमा हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास 3.16 लाख रुपए नकद और चार बैंकों में -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के दो गुटों के बीच की लड़ाई है यह विस चुनाव : गौरव

जोरहाट। विधानसभा चुनाव में महज 18 दिन शेष हैं, ऐसे में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के प्रमुख गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा कि आगामी चुनाव केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि कांग्रेस के ही दो गुटों के बीच की लड़ाई है। कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. इंद्रनील पेगु के समर्थन में माजुली में प्रचार करते हुए, गोगोई ने भाजपा और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को निशाना बनाते हुए तीखी टिप्पणियां कीं। ऊपरी तौर पर देखने पर यह भाजपा के खिलाफ लड़ाई लग सकती है, लेकिन असल में यह हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस ही है, जिसने सिर्फ भाजपा का लेबल लगा रखा है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब कुछ कार्यों ने दिवंगत तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली सरकार पर दाग लगा दिया था, जिसके कारण लोग पार्टी से दूर हो गए थे, उन्होंने कहा। गोगोई ने आगे कहा कि कांग्रेस के पूर्व सदस्य अब वाजपेयी भवन में इकट्ठा हो रहे हैं और मंत्री पद, विधायक टिकट या अन्य अवसरों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे साथ वही कांग्रेस है जो तरुण गोगोई के आदर्शों का अनुसरण करती है। यह कांग्रेस नवीनीकरण का प्रतीक है—आप इसमें नए चेहरे और नई ऊर्जा देख सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव अंततः जनता की पसंद है। यह हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली कांग्रेस और तरुण गोगोई के आदर्शों से प्रेरित कांग्रेस के बीच मुकाबला है। जनता को यह तय करना होगा कि वे किसे पसंद करते हैं। कांग्रेस से भाजपा में दलबदल को संबोधित करते हुए, गोगोई ने दावा किया कि इन कदमों ने अंततः -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दूध पीने के लिए गाय का बछड़ा अपनी मां के थनों पर प्रहार करता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री शर्मा को धमकी देने के आरोप में अरुणाचल से एक गिरफ्तार

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के नाहरलगुन के रहने वाले 29 वर्षीय एक व्यक्ति को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को गोली मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस बात की जानकारी आज पुलिस ने दी। असम पुलिस से मिली सूचना के बाद डोलाहटफुलबाड़ी गांव के निवासी कृष्णा डोर्नल -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव : भाजपा ने दो और उम्मीदवारों का किया एलान

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की सूची को आगे बढ़ाते हुए दो और नामों का एलान कर दिया है। पार्टी लगातार अपने पत्ते खोल रही है, जिससे चुनावी मुकाबला और ज्यादा रोचक होता जा रहा है। भाजपा ने दलगांव सीट से कृष्णा साहा और सिसिबरगांव सीट से जीवन गोगोई को उम्मीदवार बनाया है। -शेष पृष्ठ दो पर

रास चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर बीजेडी ने छह विधायकों को किया सस्पेंड

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजेडी) ने शनिवार को ओडिशा में हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान पार्टी के नियमों का उल्लंघन करने के लिए अपने छह विधायकों को सस्पेंड कर दिया। यह सस्पेंशन तब हुआ जब पता चला कि विधायकों ने क्रॉस-वोटिंग में हिस्सा लिया था, जो पार्टी के मिलकर फैसला लेने के प्रोसेस के खिलाफ था। यह कार्रवाई उनके कारण बताओ नोटिस के जवाबों की जांच और बीजेडी अनुशासनात्मक कमेटी द्वारा पूरी तरह से समीक्षा के आधार पर की गई। सस्पेंड किए गए उम्मीदवारों में चक्रमणि कन्हार (बालीगुडा), नबा किशोर मल्लिक (जयदेव), सौविक -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बातचीत बुनियादी ढांचे पर हमले की निंदा की

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से शनिवार को टेलीफोन कर बातचीत की और ईद एवं नवरोज की बधाई दी। मोदी ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारों का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हालिया हमलों पर चिंता जताई और उनकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित करते हैं और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में बाधा डालते हैं। प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त मोदी ने ईरान द्वारा देश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने में दिए जा रहे निरंतर सहयोग को लेकर सराहना की। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को पश्चिम -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका-इजराइल का ईरान के नतान्ज परमाणु संयंत्र पर हमला

तेहरान (हि.स.)। ईरान ने अमेरिका-इजराइल पर आरोप लगाया है कि उसके नतान्ज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाया है। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक हमले के बावजूद किसी भी तरह के रेडियोधर्मी रिसाव की सूचना नहीं है। ईरान का यह संयंत्र देश के सबसे महत्वपूर्ण यूरेनियम संवर्धन स्थलों में से एक है और तेहरान से करीब 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी युद्ध के बीच इस घटनाक्रम ने क्षेत्रीय और वैश्विक चिंताओं को और बढ़ा दिया है। समाचार एजेंसी अल जजीरा ने ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया -शेष पृष्ठ दो पर

2047 तक समृद्ध और धनवान देश बन जाएगा भारत : अमेरिकी रिपोर्ट

नई दिल्ली। यदि भारत लंबी अवधि में सात प्रतिशत की मजबूत दर से आगे बढ़ता है तो वर्ष 2047 तक देश एक समृद्ध और धनवान राष्ट्र बन सकता है। वाशिंगटन एक्जामिनर की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ग्रोथ रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है और यह औसतन सात प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। विश्लेषण में कहा गया है यदि देश अगले 20 वर्षों तक इस विकास दर को बनाए रख सकता है, तो भारत उच्च-आय वाले राष्ट्रों में शामिल हो जाएगा। अभी 15 हजार डॉलर वार्षिक प्रति व्यक्ति आय वाले देशों को उच्च आय वाले राष्ट्र कहा जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस दीर्घकालिक विकास गति को बनाए रख सकता है और मध्य-आय जाल से बच सकता है, जिसने ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और तुर्किए जैसे देशों को बाधित किया है। भारत की जनसंख्या को एक प्रमुख संरचनात्मक लाभ के रूप में पहचाना गया है और यह दुनिया की सबसे युवा प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसकी औसत आयु 28 वर्ष है। -शेष पृष्ठ दो पर

ईरानी विदेश मंत्री का दो टूक संदेश

सीजफायर नहीं... पूरी जंग खत्म चाहिए

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ कहा कि देश सिर्फ युद्धविराम नहीं, बल्कि युद्ध का स्थायी अंत चाहता है। उन्होंने अमेरिका-इजराइल हमलों को अवैध बताया, मुआवजा और सुरक्षा गारंटी की मांग की, और ब्रिटेन को चेतावनी दी कि हस्तक्षेप बढ़ा तो जवाब मिलेगा। सैयद अब्बास अराघची ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि ईरान सिर्फ अस्थायी युद्धविराम नहीं, बल्कि इस युद्ध का पूरी तरह और स्थायी अंत चाहता है। उन्होंने यूनाइटेड स्टेट्स और इजरायल द्वारा किए गए हमलों को *गैरकानूनी और बिना उकसावे की आक्रामक कार्रवाई* बताया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इसके खिलाफ खड़े होने की अपील की। उन्होंने बताया कि कई देश मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ईरान अस्थायी समझौते को ठुकरा चुका है। ईरान ने कहा कि अभी तक यूनाइटेड स्टेट्स ने शांति के लिए गंभीरता नहीं दिखाई। असली समाधान के लिए ईमानदार बातचीत जरूरी है। ईरान ने यूनाइटेड किंगडॉम को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ब्रिटेन इस युद्ध में शामिल होता है, तो उसे जवाब मिलेगा। यूके के सैन्य अड्डों का इस्तेमाल *आक्रामक कार्रवाई* माना जाएगा, वहीं, ब्रिटेन ने पलटवार करते हुए कहा कि ईरान यूके के ठिकानों या हितों को निशाना न बनाए। ऐसा हुआ तो स्थिति और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

भारत की जमीन से ईरान पर हमले की अनुमति का दावा फर्जी : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल उस दावे को पूरी तरह खारिज किया है जिसमें कहा गया था कि अमेरिका को भारत की जमीन से ईरान पर हमले के लिए अनुमति दी गई है। मंत्रालय ने इसे भ्रामक और निराधार बताते हुए नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। विदेश मंत्रालय की आधिकारिक फैक्ट-चेक इकाई ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी भी देश को अपनी धरती का उपयोग किसी तीसरे देश पर सैन्य कार्रवाई के लिए करने की अनुमति नहीं दी है। इस तरह की खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

चुनाव से पहले भाजपा उम्मीदवार को करना पड़ रहा है *बांग्लादेशी* होने के ताने का सामना

श्रीभूमि। दक्षिणी असम के रामकृष्ण नगर निर्वाचन क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार बिजय मलाकर विधानसभा चुनाव से पहले *बांग्लादेशी* होने के टैग से जूझ रहे हैं। उनकी कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी सुरुचि रॉय ने संकेत दिया है कि 9 अप्रैल का चुनाव एक भूमिकन्या (भूमिपुत्री) और संदिग्ध नागरिकता वाले व्यक्ति के बीच मुकाबला होगा। उन्होंने शुक्रवार (20 मार्च, 2026) को श्रीभूमि जिले में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कहा कि भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ गुवाहाटी उच्च न्यायालय में एक मामला लंबित है। वह (अपने भारतीय होने का प्रमाण देने के लिए) दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए हैं। श्रीभूमि, बंगाली बहुल बराक घाटी के तीन जिलों में से एक है, जिसमें 13 विधानसभा क्षेत्र हैं। मालाकार, जिन्होंने 2023 के परिसीमन से पहले रताबाड़ी के रूप में इस निर्वाचन क्षेत्र से दो बार चुनाव जीता था, ने उनके आरोप को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि विरोधी हर चुनाव से पहले बांग्लादेशी होने का आरोप लगाते हैं और मुझे डराने की कोशिश करते हैं। असम में बंगाली हिंदुओं को बांग्लादेशी कहना आसान है, क्योंकि वे हमेशा से आसान निशाना रहे हैं। मालाकार ने कहा कि उनकी भारतीय नागरिकता पर कोई संदेह नहीं है, और उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता के चार भाई सरकारी कर्मचारी थे। उन्होंने कहा कि चूंकि मामला अदालत में है, इसलिए न्यायाधीशों को फैसला करना है। दिसंबर 2025 में, बराक घाटी के दो व्यक्तियों – ब्रज गोपाल सिन्हा और बिजय कुमार कानू – ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर कर दावा किया कि मालाकार भारतीय नागरिक नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी जानकारी *विश्वसनीय स्रोतों* से प्राप्त हुई है। याचिका के सारांश में कहा गया है कि प्रतिवादी संख्या 1 (मालाकार) और उनके माता-पिता 25 मार्च 1971 की निर्धारित तिथि के बाद भारत (असम) में दाखिल हुए थे। याचिकाकर्ताओं ने करीमगंज कस्बे की 1966 और 1971 की मतदाता सूचियों सहित सभी मतदाता सूचियां एकत्र की हैं और मतदाता सूचियों के सत्यापन पर पाया कि प्रतिवादी संख्या 1 का नाम बिना किसी आधार के, करीमगंज उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 96, क्रम संख्या 318, मकान संख्या 15, 2005 की मुख्य मतदाता सूची में दर्ज किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि विधायक के पिता का नाम 2005 की मतदाता सूची में शंकर मलाकर के रूप में दर्ज था, लेकिन उनकी तस्वीर 2020 में बांग्लादेश में जारी दस्तावेजों में सुधन्या कुमार मलाकर नामक व्यक्ति की तस्वीर से मेल खाती थी। भाजपा के एक अन्य विधायक, निहार रंजन दास को भी 2021 में धोलाई विधानसभा सीट से चुनाव लड़ते समय इसी तरह के आरोप का सामना करना पड़ा था। इस बार उनकी जगह चुनाव लड़ने वाले अमिया कांति दास ने उन पर बांग्लादेशी होने का आरोप लगाया था।

बंगाल चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग का बड़ा कदम

19 अपीलीय अधिकरण गठित

मतदाता सूची विवादों की होगी सुनवाई

कोलकाता (हि.स.)। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 अपीलीय अधिकरणों के गठन की अधिसूचना जारी की है। ये अधिकरण विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े विवादों पर सुनवाई करेंगे। निर्वाचन आयोग की शुक्रवार रात जारी अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के 10 मार्च 2026 के आदेश तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के आधार पर लिया गया है। गठित 19 अधिकरणों में से 18 की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जबकि एक अधिकरण की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश करेंगे। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवगणनम को कोलकाता क्षेत्र से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके अधिकरण के अधिकार क्षेत्र में कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर और उत्तर 24 परगना के चुनावी जिले शामिल होंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि पूरक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद संबंधित पक्ष नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े न्यायिक अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील कर सकेंगे। अपील दो तरीकों से दायर की जा सकेगी। ऑनलाइन आयोग के डिजिटल मंच के माध्यम से या जिलाधिकारी, उप मंडलाधिकारी अथवा अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन देकर, जिसे बाद में डिजिटल प्रणाली पर अपलोड किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये अधिकरण तत्काल प्रभाव से काम शुरू करेंगे और संबंधित जिलों की सभी अपीलों का निपटारा होने के बाद स्वतः समाप्त हो जाएंगे। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने से जुड़े विवाद चुनाव की विश्वसनीयता को सीधे प्रभावित करते हैं, खासकर पश्चिम बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में। विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम मतदाताओं का भरोसा मजबूत करने और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

गौरीपुर में नए आरओबी से समाप्त हुआ ट्रैफिक विलंब

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने अलीपुरद्वार मंडल के अंतर्गत गौरीपुर में समपार फाटक संख्या सीए-26 के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया। इस क्षेत्र में रेल-रोड अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पूसीरे (निर्माण) द्वारा निष्पादित इस परियोजना को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही सफलतापूर्वक पूरा किया गया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि इस आरओबी का निर्माण गौरीपुर और आलमगंज स्टेशनों के बीच किलोमीटर 162/5-6 पर किया गया है। यह संरचना कुल 940 मीटर लंबी है। राष्ट्रीय राजमार्ग मानकों के अनुसार निर्मित इस पुल में 10.50 मीटर चौड़ा कैरेजवे है, जिसमें तीन लेन की व्यवस्था की गई है, जिससे वाहनों का सुगम और कुशल आवागमन सुनिश्चित होता है। इस संरचना की प्रमुख विशेषता इसका 62 मीटर लंबा बो स्ट्रिंग गर्डर वाला मुख्य स्पैन है, जो मजबूत इंजीनियरिंग और आधुनिक निर्माण तकनीकों का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह आरओबी व्यस्त समपार फाटक संख्या सीए-26 की जगह लेगा, जिसका ट्रेन व्हीकल यूनिट (टीवीयू) 69,840 था, जो रेल और सड़क दोनों यातायात की अधिक उपयोग को दर्शाता है। यह स्थान रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि गौरीपुर और धुबड़ी जैसे प्रमुख कस्बों को जोड़ने वाले राज्य राजमार्ग पर स्थित होने के कारण यह क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक प्रमुख लिंक है। इस आरओबी के पूर्ण होने से बार-बार गेट बंद होने के कारण ट्रैफिक में होने वाली समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है। वाहनों और पैदल यात्रियों का निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हुआ है।

किसानों को फसल नुकसान का मुआवजा राशि मुहैया कराए सरकार : अरुण यादव

भागलपुर (हिंस)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने शनिवार को एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि भागलपुर जिला सहित राज्यभर में बेमौसम आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं, मक्का, केला, लीची और आम की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। आंधी-बारिश और ओलावृष्टि के कारण खेतों में गेहूं और लहलहाता मक्के-केला के पौधे पूरी तरह जमीन में गिर गए। लीची-आम के पेड़ में लगे मंजर झड़ गए। वहीं गरीबों की झोपड़ी-छप्पड़ उड़ गए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि पहले से ही किसान चौतरफा मुसीबत झेल रहे हैं, कर्ज तले दबे हुए हैं। ऊपर से प्राकृतिक आपदा आंधी-तूफान और बारिश ने फसलों को बर्बाद कर दिया। अन्नदाता किसानों के सपनों को ध्वस्त कर दिया। जोकि चिंता का विषय है। राजद प्रवक्ता ने बिहार सरकार से इस प्राकृतिक आपदा को गंभीरता से लेते हुए आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों और गरीबों को विशेष सहायता राशि प्रदान कर राहत पहुंचाने का काम करें। राजद प्रवक्ता ने कहा कि आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से हुए फसल नुकसान का आकलन करने के लिए बिहार सरकार अविलंब वरीय अधिकारी के नेतृत्व में प्रखंड स्तर पर टीम गठित करे।

असम विस चुनाव के लिए ईवीएम-वीवीपैट की प्रथम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी

गुवाहाटी (हिंस)। चुनाव आयोग ने असम में आसन्न विधानसभा चुनाव के लिए ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम चरण की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। चुनाव आयोग द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस प्रक्रिया के तहत निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार मशीनों की सूची तैयार कर राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई है। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा के आम चुनाव की घोषणा 15 मार्च, 2026 को की गई थी। चुनाव प्रक्रिया के तहत पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का आवंटन दो चरणों की रैंडमाइजेशनज प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। प्रथम चरण में जिला स्तर के गोदामों से ईवीएम को विधानसभा क्षेत्रों में आवंटित किया जाता है, जबकि दूसरे चरण में इन्हें संबंधित मतदान केंद्रों में वितरित किया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) के बाद जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार संपन्न कराई जाती है। आयोग ने बताया कि असम के साथ-साथ नगालैंड और त्रिपुरा में होने वाले उपचुनावों के लिए भी प्रथम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इन राज्यों में 9 अप्रैल को मतदान निर्धारित है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह प्रक्रिया ईवीएम प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के माध्यम से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। रैंडमाइजेशन के बाद तैयार की गई निर्वाचन क्षेत्रवार सूची संबंधित जिला मुख्यालयों में इन प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई है। आयोग ने कहा कि अब इन मशीनों को विधानसभा क्षेत्रवार निर्धारित स्ट्रॉन्ग रूम में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की निगरानी में सुरक्षित रखा जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में चुनाव प्रचार ...

विभाग के अनुसार कि अनुकूल मौसम स्थितियों और बंगाल की खाड़ी से आने वाली भारी नमी के कारण, अप्रैल की शुरुआत तक लगभग पूरे राज्य में बारिश होने की संभावना है। पिछले सप्ताह पूर्वी और उत्तरपूर्वी भारत में सामान्य से 267 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई, और 1 मार्च से अब तक कुल वर्षा 73 प्रतिशत अधिक रही है। 1 से 19 मार्च तक राज्य में सामान्य 30 मिमी के मुकाबले 98.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। कार्बी आंगलोंग, शिवसागर, श्रीभूमि और तिनसुकिया को छोड़कर, सभी जिलों में सामान्य से काफी अधिक वर्षा हुई। सामान्य 15.3 मिमी वर्षा के मुकाबले, कामरूप मेट्रो क्षेत्र में 1 मार्च से 56.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गुवाहाटी में 16 मार्च को 33.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो 1951 के बाद से मार्च महीने में 24 घंटों में हुई दसवीं सबसे अधिक वर्षा है। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, वहीं विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान 7 अप्रैल को समाप्त होगा। चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं समेत कई दिग्गज राजनीतिक हस्तियों के रैलियों को संबोधित करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी चुनाव प्रचार के दौरान प्रतिदिन चार से पांच रैलियां करने की योजना बनाई है। कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए गए कम समय के चुनाव प्रचार की आलोचना कर रही हैं।

जयंत दास ने छोड़ी भाजपा...

की भावनाओं का कोई महत्व नहीं रह जाता, तो आत्मसम्मान से समझौता करते हुए पद पर बने रहना असंभव हो जाता है, उन्होंने लिखा। उन्होंने आगे कहा कि जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं आया है कि मैंने भले ही पार्टी छोड़ दी हो, लेकिन दिसपुर के लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता नहीं छोड़ी है। नए दृढ़ संकल्प और नई सोच के साथ, मैं उनके कल्याण के लिए अथक परिश्रम करता रहूंगा। अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्श मेरे दिल में आखिरी सांस तक रहेंगे। यह इस्तीफा दास द्वारा पार्टी के उस फैसले पर सार्वजनिक रूप से असंतोष और नाराजगी व्यक्त करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्हें दिसपुर सीट से चुनाव लड़ने की उम्मीद थी। इसके बजाय, पार्टी ने प्रद्युत बोरदोलोई को टिकट दिया, जो हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि दास अंततः पार्टी छोड़ देंगे। शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए शर्मा ने दास की निराशा को स्वीकार किया लेकिन पार्टी की एकता पर जोर दिया। टिकट न मिलने के बाद उन्होंने जो कुछ भी कहा कि मुझे भी बुरा लगा। लेकिन एक मंत्री होने के नाते मुझे ऐसी परिस्थितियों का सामना करना ही पड़ता है। *अमृत मंथन* के समय जहर और अमृत दोनों निकले थे। इसी तरह राजनीति में भी ऐसे क्षण आते रहते हैं। हालांकि, मुझे विश्वास है कि जयंत दास इस्तीफा नहीं देंगे। हमने इस पार्टी को एक परिवार की तरह पाला-पोसा है, और मुझे नहीं लगता कि कोई भी इसे छोड़ेगा, शर्मा ने कहा। इससे पहले, 19 मार्च को दास ने पार्टी नेतृत्व की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया था कि कांग्रेस से हाल ही में दलबदल करने वाले नेताओं के पक्ष में भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीदवार चयन के लिए इस्तेमाल किए गए मानदंडों, विशेष रूप से आंतरिक सर्वेक्षणों पर निर्भरता पर भी सवाल उठाए थे।

धुरंधर के दर्शक भाजपा...

लगाया। उन्होंने कहा कि फिल्म में हिंसा का चित्रण एक विशेष समुदाय के प्रति शत्रुता पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है। अनवर ने दावा किया कि यह फिल्म एक व्यापक राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा है। खबरों के अनुसार, उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की बातें सामाजिक दरारों को और गहरा कर सकती हैं और देश के लिए दीर्घकालिक परिणाम ला सकती हैं। अनवर ने आगे तर्क दिया कि फिल्म का संदेश अनजाने में पाकिस्तान को लाभ पहुंचा सकता है, और इसके लिए उन्होंने मुहम्मद अली जिन्ना के ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि यह कथा विभाजनकारी विचारों को बढ़ावा देती है जो समुदायों के बीच सह-अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं, और इस तरह का संदेश भारत के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करता है। कांग्रेस नेता ने फिल्म में गैंगस्टर अतीक अहमद के चित्रण पर आपत्ति जताई, खासकर पाकिस्तान की आईएसआई से उसके संबंध के दावों पर। उन्होंने ऐसे चित्रणों को निराधार बताया और भाजपा पर सिनेमा के माध्यम से गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। इन दावों का खंडन करते हुए, जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने फिल्म का बचाव करते हुए कहा कि इसकी कहानी ज्ञात तथ्यों को दर्शाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अतीक अहमद का आपराधिक इतिहास और अवैध हथियार नेटवर्क से उसके कथित संबंध सर्वविदित हैं, और फिल्म केवल एक कठोर वास्तविकता को प्रस्तुत करती है।

राज्य की विकास...

जैसे पारंपरिक परिवहन साधनों का पूरक है, साथ ही साथ पूरे राज्य में पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा दे रहा है। प्रमुख पहलों में, मुख्यमंत्री ने जिबोंडिंगा योजना के तहत 20 आधुनिक कैटामारन की शुरूआत और 850 से अधिक पारंपरिक नावों के उन्नयन का उल्लेख किया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की पहली रात्रि नौका सेवा प्रणाली चालू हो चुकी है, जिससे रात के समय 11 लाख से अधिक यात्रियों को लाभ मिल रहा है। इसके अलावा, शर्मा ने बताया कि यात्रियों और माल ढुलाई दोनों को बढ़ाने के उद्देश्य से जोगीघोपा में एक नए अंतर्देशीय जल परिवहन टर्मिनल सहित बुनियादी ढांचे का विकास कार्य चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सड़क, रेल और हवाई परिवहन के अलावा, जल परिवहन विकास, पर्यटन और आजीविका को गति प्रदान कर रहा है, उन्होंने असम के विशाल नदी नेटवर्क का पूरी तरह से उपयोग करने पर सरकार के फोकस को रेखांकित किया।

35 करोड़ की संपत्ति ...

कुल 74,85,248 रुपए जमा हैं। हालांकि सीएम शर्मा ने बांड, डिबेंचर, शेयर, म्यूचुअल फंड या फिर किसी अन्य में निवेश की जानकारी नहीं दी, जबकि उनकी पत्नी ने इन शेयरों में 5.10 करोड़ रुपए का निवेश किया है। नामांकन में दिए गए एफिडेविट के अनुसार, हिमंत विश्व शर्मा की कुल संपत्ति 2021 में यह 1.72 करोड़ रुपए थी। जो 2026 में 2.36 करोड़ रुपए पहुंच गई है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां मीडिया कंपनी प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्रबंध निदेशक हैं। उनके पास उनकी खुद की खरीदी हुई और विरासत में मिली, दोनों तरह की संपत्तियां हैं। एफिडेविट में रिनिकी भुइयां ने 13.54 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और 19.25 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति घोषित की है। एफिडेविट के अनुसार, अगर बात करें दोनों के कर्ज की तो सीएम हिमंत विश्व शर्मा पर बैंक से लिया गया 95 लाख का कर्ज है। वहीं, उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां पर बैंक से लिए गया 15.91 करोड़ रुपए का कर्ज है। बता दें कि असम में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होना है। विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है। वहीं, नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 26 मार्च है। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। मालूम हो कि हिमंत विश्व शर्मा इस साल सातवीं बार चुनावी मैदान में हैं। उन्होंने पहला चुनाव हारने के बाद लगातार पांच चुनाव जीते हैं। इस बार भी जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र से उन्होंने जीत हासिल करने का दावा किया है। अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर हिमंत विश्व शर्मा चुनावी बिगुल फूंकते हुए कहा है कि असम की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को संरक्षित करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। नामांकन से पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ये भी बताया कि राज्य सरकार विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समूहों को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। इसके तहत हर रास समिति को 25,000 रुपए की मदद दी जा रही है। इसके अलावा, राज्य में 8,000 से अधिक पूजा समितियों को 10,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जा रही है ताकि धार्मिक कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित हो सकें। सरकार ने 620 उदासीन भक्तों के लिए हर महीने 1,500 रुपए की सहायता भी सुनिश्चित की है, जो आध्यात्मिक परंपराओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कांग्रेस के दो गुटों के ...

कांग्रेस को मजबूत किया है। यह हिमंत विश्व शर्मा की पुरानी रणनीति है। लोकसभा चुनावों के दौरान, मेरे कुछ करीबी सहयोगियों को भाजपा में शामिल कर लिया गया था। लेकिन मैंने देखा कि जनता के बीच हमारी स्वीकार्यता वास्तव में बढ़ गई। उन्होंने मुख्यमंत्री पर सीधा हमला करते हुए कहा कि जब से उन्होंने असम में सत्ता संभाली है, तब से डर, धमकी, गलत सूचना और झूठ भाजपा के मुख्य हथियार बन गए हैं। उन्होंने कहा कि यह उनकी कमजोरी को दर्शाता है – वे अपने काम के माध्यम से लोगों का विश्वास जीतने में विफल रहे हैं। एपीसीसी प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस इस चुनाव में युवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है और माजुली में पेगु की जीत के प्रति विश्वास व्यक्त किया। तिताबोर विधायक भास्कर बरुआ को टिकट न दिए जाने के संबंध में, गोगोई ने इसे पार्टी का रणनीतिक निर्णय बताया। उनके अनुसार, इस बार कांग्रेस को ऊपरी असम और उत्तरी असम से समर्थन मिलेगा।

रास चुनाव में क्रॉस ...

विश्वल (चौद्वार-कटक), सुबासिनी जेना (बस्ता), रमाकांत भोई (तिर्तोल), और देवी रंजन त्रिपाठी (बांकी) शामिल हैं। एक बयान में, भाजपा के अध्यक्ष और पार्टी सुप्रीमो नवीन पटनायक ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी का संविधान अपने सदस्यों से पक्की वफादारी की मांग करता है। इस कदम को अनुशासन को मजबूत करने और पार्टी की ईमानदारी बनाए रखने की दिशा में एक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। राज्यसभा चुनाव 16 मार्च को हुए थे। सस्पेंशन सभी पार्टी मेंबर्स के लिए एक साफ मैसेज है कि पार्टी के सामूहिक फैसलों से कोई भी बदलाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीजेडी का मकसद अपने पॉलिटिकल एजेंडा के साथ आगे बढ़ते हुए अपने रैंकों में एकता और अनुशासन बनाए रखना है। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा को चार में से दो राज्यसभा सीटों पर जीत मिली थी, जबकि, विपक्षी बीजद और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को एक-एक सीट पर जीत मिली थी। ओड़िशा विधानसभा में कुल विधायकों की संख्या 147 है। सत्तारूढ़ भाजपा के समर्थक विधायकों एवं निर्दलीय एमएलए की संख्या 82 थी, लेकिन राज्यसभा चुनाव में भाजपा कैंडिडेट को पहली पसंद के रूप में कुल 93 वोट मिले, जो उनकी वास्तविक संख्या से 11 ज्यादा थे। इन 11 अतिरिक्त वोट में आठ मत बीजू जनता दल (बीजेडी) के एमएलए और तीन मत कांग्रेस के एमएलए के थे।

अमेरिका-इजराइल का ईरान...

कि ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (आईएईओ) ने दावा किया है कि अमेरिका और इजराइल ने शनिवार सुबह नतान्ज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाकर हमला किया। यह हमला मध्य ईरान में स्थित देश के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन केंद्रों में से एक पर किया गया। आईएईओ ने स्पष्ट किया कि शाहिद अहमदी रोशन संवर्धन संयंत्र में किसी भी तरह के रेडियोधर्मी पदार्थ के रिसाव की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक संयंत्र के आसपास रहने वाली आबादी को भी कोई खतरा नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की कि ईरान ने उसे इस हमले की जानकारी दी है। आईएईए ने कहा कि संयंत्र के बाहर विकिरण स्तर में किसी प्रकार की वृद्धि दर्ज नहीं की गई है और वह स्थिति की जांच कर रही है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने सैन्य संयम बरतने की अपील दोहराई है ताकि किसी भी परमाणु दुर्घटना से बचा जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी से जारी इस युद्ध का उद्देश्य अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। इससे पहले भी इस संघर्ष के शुरुआती दिनों में नतान्ज संयंत्र को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई थीं। इसी बीच इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरान के खिलाफ सैन्य हमले और तेज होंगे, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका है।

2047 तक समृद्ध ...

अमेरिका में औसत आयु लगभग 38 वर्ष है, जबकि चीन की औसत आयु करीब 41 वर्ष है। अगले दो दशकों में भारत की जनसंख्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कार्यबल में शामिल होगा, जो उत्पादक श्रम की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा और एक बड़े घरेलू उपभोक्ता आधार के विस्तार का समर्थन करेगा। यह जनसांख्यिकीय लाभ बढ़ती उत्पादकता के साथ मिलकर उच्च विकास को बनाए रखने में मदद कर सकता है। रिपोर्ट में वैश्विक सप्लाई चेन में बदलाव को एक प्रमुख अवसर के रूप में बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम अर्थव्यवस्थाएं खासतौर पर अमेरिका सप्लाई चेन में चीन से विविधता ला रहा है और भारत एक प्रमुख वैकल्पिक मैन्यूफैक्चरिंग और निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है। भारत का डिजिटल इकोसिस्टम लाखों लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल कर रहा है। रिपोर्ट ने भारत की मजबूत उद्यमिता संस्कृति की बारे में भी बताया गया है जिसे बढ़ते वेंचर कैपिटल इकोसिस्टिम का समर्थन मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कराधान, न्यायिक प्रक्रियाओं और शिक्षा क्षेत्र में कई सुधार किए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य संरचनात्मक बाधाओं को दूर करना और दीर्घकालिक विकास को बनाए रखना है। रिपोर्ट के अनुसार, आर्थिक इतिहास ने दिखाया है कि कोई भी देश मजबूत पूंजी निवेश, श्रम आपूर्ति का विस्तार और प्रौद्योगिकी उन्नति के माध्यम से मध्य-आय जाल से बच सकता है।

सीजफायर नहीं... पूरी ...

बिगड़ सकती है। ईरान ने संकेत दिया किवह स्ट्रेइट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जापानी जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को तैयार है। जापान के साथ इस मुद्दे पर बातचीत जारी है। यह जलमार्ग दुनिया की ऊर्जा सप्लाई के लिए बेहद अहम माना जाता है। ईरान का यह रुख साफ दिखाता है कि अब वह आधे-अधूरे समाधान के लिए तैयार नहीं है। अगर बातचीत सफल नहीं हुई, तो यह संघर्ष और बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है।

मुख्यमंत्री शर्मा को धमकी ...

को गुरुवार को हिरासत में लिया गया। इटानगर राजधानी क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक न्येलम नेगा के अनुसार, आरोपी ने व्हाट्सएप के माध्यम से शर्मा को धमकी भरा संदेश भेजा था। पूछताछ के दौरान, डोर्नल ने स्थानीय शराब की दुकान से पैसे की हेराफेरी करने की बात स्वीकार की। जब दुकान मालिक ने उससे वित्तीय हिसाब मांगा, तो उसने पहले असम के मुख्यमंत्री के आधिकारिक ईमेल पर पैसे की मांग करते हुए संदेश भेजा। कोई जवाब न मिलने पर, डोर्नल ने कथित तौर पर ऑनलाइन मुख्यमंत्री का व्हाट्सएप नंबर ढूंढा और धमकी भरा संदेश भेजा। आरोपी को आगे की जांच के लिए असम पुलिस को सौंप दिया गया है। एसपी नेगा ने जनता से संयम बरतने और सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की अपील की है, साथ ही चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार के दुरुपयोग या कानून के उल्लंघन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

असम चुनाव : भाजपा ...

इससे पहले पार्टी अपनी पहली सूची में 88 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुकी है। इस तरह भाजपा तेजी से अपनी पूरी चुनावी तैयारी को अंतिम रूप दे रही है। भाजपा की पहली सूची में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को जालुकबाड़ी से टिकट दिया गया था। वहीं जोरहाट सीट पर पार्टी ने अपने सांसद हितेंद्र नाथ गोस्वामी को मैदान में उतारा है, जहां उनका मुकाबला कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से माना जा रहा है। पार्टी ने अपने कई मौजूदा मंत्रियों पर भी भरोसा जताया है। अजंता नेओग, रंजीत पेगू, रुपेश गोवाला, पियूष हजारिका और जयंत मल्ल बरुआ जैसे नेताओं को फिर से टिकट दिया गया है। इससे साफ है कि भाजपा अनुभव और निरंतरता पर जोर दे रही है। भाजपा ने हाल ही में कांग्रेस और अन्य दलों से आए नेताओं को भी मौका दिया है। प्रद्युत बरदलै और भूपेन बोरा को टिकट दिया गया है। इसके अलावा शशी कांता दास और कमलाख्या पुरकायस्थ जैसे नेताओं को भी चुनावी मैदान में उतारा गया है। इससे पार्टी ने अपना जनाधार बढ़ाने की रणनीति दिखाई है। असम की 126 विधानसभा सीटों पर नौ अप्रैल को मतदान होगा और 4 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं और मुकाबला अब और कड़ा होता जा रहा है।

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति...

एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह टेलीफोन पर दूसरी बातचीत है, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले उन्होंने 12 मार्च को टेलीफोन पर बातचीत की थी।

विस चुनाव 2026 : असम प्रदेश भाजपा के समाचार विभाग की सक्रियता बढ़ी

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 को केंद्र में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश के समाचार विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में एक क्रमबद्ध और रणनीतिक रूप से निर्मित कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक संचार को सशक्त करना, समाचार प्रचार को बेहतर बनाना और आगामी चुनाव के लिए एक एकीकृत और प्रभावशाली रणनीति सुनिश्चित करना है। इस पहल के हिस्से के रूप में, डिब्रूगढ़ और सिलचर सहित कई महत्वपूर्ण जिलों में पहले ही सफलतापूर्वक कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। डिब्रूगढ़ में आयोजित कार्यशाला में राष्ट्रीय प्रवक्ता केके शर्मा एक प्रमुख संसाधान व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रभावकारी संचार रणनीति, मीडिया प्रबंधन और जनमत निर्माण में क्रमबद्ध संदेश के महत्व के बारे में विस्तृत निर्देश प्रदान किया। सिलचर में आयोजित कार्यशाला में राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने प्रतिभागियों के साथ लंबी चर्चा की और दल की समग्र गतिविधियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। इस क्रम को जारी रखते हुए, आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कई वरिष्ठ नेताओं ने उपस्थित होकर दिशा-निर्देश प्रदान किए। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश समाचार विभाग के संयोजक रूपम गोस्वामी ने की और साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सांसद और असम विधानसभा चुनाव 2026 के प्रभारी वैजयंत जय पांडा, चुनावी प्रबंधन समिति के संयोजक एवं सांसद प्रदान बरुवा, केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरेटा, राष्ट्रीय समाचार माध्यम के संयोजक एवं प्रवक्ता अनिल बालुनी, राष्ट्रीय समाचार माध्यम के सह-संयोजक एवं प्रवक्ता संजय मयूख, सांसद बांसुरी स्वराज, राष्ट्रीय प्रवक्ता केके शर्मा की उपस्थिति ने कार्यशाला को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। कार्यशाला में आगामी चुनाव से संबंधित कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा की गई। प्रत्येक समष्टि-केंद्रित रणनीति, पारंपरिक और डिजिटल मीडिया के प्रभावी उपयोग और मतदाता के साथ संपर्क में आदर्श स्पष्टता की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, तृणमूल स्तर पर समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया, ताकि पार्टी की सफलता, नीति और असम के विकास के लिए प्रस्तुत दृष्टिकोण समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुंच सके। इस कार्यशाला में अनुशासित संचार, जानकारी आधारित चर्चा के महत्व और समन्वित संदेश के माध्यम से आम जनता में विश्वास और भरोसा बनाने की आवश्यकता को स्पष्ट किया गया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने दृढ़ और एकजुट संकल्प लिया कि वे अथक परिश्रम, एकता और स्पष्ट रणनीति के माध्यम से असम विधानसभा चुनाव 2026 में ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के मूल मूल्यों को अडिग रखते हुए असम के विकास और समृद्धि के लिए किए गए परिवर्तनकारी कदमों को जनसाधारण के सामने प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का वचन दोहराया।

कांग्रेस में हर क्षेत्र में मेरी उपेक्षा की गई : प्रद्युत बरदलै

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल पूर्व कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै ने शनिवार को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस में मेरी सभी क्षेत्रों में अनदेखी की गयी। कांग्रेस से इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने के बाद आज शाम अपने पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बरदलै ने कहा कि कांग्रेस में हर क्षेत्र में मेरी उपेक्षा की गई। चारों ओर शक का माहौल था। जिन नेताओं ने मुझ पर हमला किया, उन्हें महत्व दिया गया और मेरा बार-बार अपमान किया गया। कांग्रेस के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए बरदलै ने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा बहुत पहले शुरू हो गई थी। छात्र राजनीति में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मैं 16 साल की उम्र में नेशनल स्टूडेंट यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआई) में शामिल हो गया था। कांग्रेस की वजह से ही मेरे व्यक्तित्व का विकास हुआ। उन्होंने 1978 के एक पल का भी जिक्र किया, जब उन्होंने आपातकाल के बाद असम दौरे पर आईं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का स्वागत किया था। उन्होंने कहा कि बरदलै ने इंदिरा गांधी को एक गमोछा ओढ़ाया था और इसके लिए उन्हें उन्हें कॉटन कॉलेज छात्र संघ के महासचिव पद से हटा दिया गया था और उन्हें अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा था। बरदलै ने आंतरिक विवादों के दौरान समर्थन न मिलने पर भी निराशा व्यक्त की। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए बरदलै ने कहा कि इमरान मसूद द्वारा मेरे बयानों को झूठा बताने के बावजूद गौरव गोगोई ने एक बार भी कुछ नहीं कहा। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि मैं ही मनगढ़ंत बातें बना रहा हूँ। बरदलै ने खुलासा किया कि उन्हें भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से दिसपुर से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव मिला था। उन्होंने कहा कि वे भाजपा की संस्कृति से परिचित नहीं थे। वे बस अपने आत्म-सम्मान की रक्षा करना और असम को आगे ले जाने में योगदान देना चाहते थे। उनकी कोई पूर्व शर्त नहीं थी। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उन्हें जो *स्वागत और समर्थन* मिला है, उससे उन्हें तसल्ली मिली है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सालों में उन्हें बार-बार इस तरह के प्रस्ताव मिलते रहे हैं। बरदलै ने कहा कि उन्हें कई सालों से ऑफर मिल रहे थे, लेकिन वे उन्हें ठुकराते रहे। कांग्रेस के पूर्व सांसद बरदलै ने 20 मार्च को भाजपा में शामिल होने और दिसपुर से अपनी उम्मीदवारी को एक बहुत मुश्किल और दर्दनाक फैसला बताया, साथ ही पार्टी में घुल-मिल जाने का भरोसा भी जताया।

गौविवि परिसर के तालाब से शव बरामद, जांच जारी

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के जालुकबारी इलाके में अवस्थित गौहाटी विश्वविद्यालय (गौविवि) परिसर में स्थित एक तालाब से शनिवार को एक शव बरामद किया गया, जिससे छात्रों और स्थानीय निवासियों के बीच सनसनी फैल गई। यह घटना विश्वविद्यालय परिसर के अंदर सरायघाट कॉलोनी इलाके में हुई, जहां स्थानीय लोगों ने सबसे पहले शव को पानी में तैरते हुए देखा और तुरंत अधिकारियों को इसकी सूचना दी। तेजी से कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीमें स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) के जवानों के साथ मौके पर पहुंचीं, जिन्होंने तालाब से शव को बाहर निकालने में मदद की। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि शव बरामद कर लिया गया है; हालांकि, मृतक की पहचान अंतिम सूचना मिलने तक नहीं हो पाई थी। मौके से कोई भी ऐसा दस्तावेज या निजी सामान नहीं मिला है जिससे मृतक की पहचान स्थापित करने में मदद मिल सके। मृत्यु के कारणों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने इस चरण में किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है और यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि यह मामला गलती से डूबने का है या इसमें कोई आपराधिक साजिश शामिल है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मृत्यु के कारणों के बारे में और अधिक स्पष्टता मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान करने के प्रयास जारी हैं और आगे की जांच फॉरेंसिक निष्कर्षों तथा उपलब्ध सबूतों के आधार पर आगे बढ़ेगी।

एजेपी में इस्तीफों की आंधी, धेमाजी में 10,332 सदस्यों ने छोड़ी पार्टी

धेमाजी (हिंस)। आसन्न असम विधानसभा चुनाव से पहले क्षेत्रीय दल असम जातीय परिषद (एजेपी) को धेमाजी जिले में बड़ा झटका लगा है। पार्टी के 10,332 पंजीकृत सदस्यों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। शनिवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में जिला नेतृत्व ने 23 क्षेत्रीय समितियों और 226 बूथ समितियों को भंग करने की भी घोषणा की। बताया गया कि 17 मार्च को हुई सामान्य बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था। पार्टी नेताओं ने विपक्षी गठबंधन के तहत उम्मीदवार चयन को लेकर नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि धेमाजी सीट के लिए एजेपी के प्रस्तावित उम्मीदवार को नजरअंदाज कर कांग्रेस प्रत्याशी को टिकट दिया गया, जिससे संगठन में असंतोष फैल गया।

खेलो इंडिया अस्मिता तैराकी लीग : पहले दिन 200 महिला तैराकों की भागीदारी, 20 इवेंट सफलतापूर्वक संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। खेलो इंडिया के तहत आयोजित अस्मिता तैराकी लीग (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के पहले दिन लगभग 200 महिला तैराकों ने भाग लिया। सरुसजाई स्थित डॉ. जाकिर हुसैन एक्वेटिक कांप्लेक्स में प्रतियोगिता अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में आयोजित की गई। कुल 40 इवेंटों में से पहले दिन 20 इवेंट सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। असम तैराकी संघ के प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी के अनुसार, पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के अलावा बिहार, उड़ीसा, झारखंड और पश्चिम बंगाल की टीमों ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लेकर उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत की। प्रत्येक इवेंट से शीर्ष चार तैराकों को आगामी अहमदाबाद में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की अस्मिता तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इससे पहले प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष तथा असम तैराकी संघ के महासचिव भास्कर रंजन दास ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेलों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अस्मिता लीग एक महत्वपूर्ण पहल है। पहले दिन की प्रतियोगिताओं का संचालन टूर्नामेंट डायरेक्टर चंदन ज्योति फूकन के मार्गदर्शन में सुचारू रूप से किया गया। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र असम तैराकी संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रणव बरठाकुर, कामरूप जिला तैराकी संघ के सचिव नवज्योति गोगोई सहित उपस्थित विशिष्ट अतिथियों द्वारा वितरित किए गए। यह लीग पूर्वोत्तर क्षेत्र की महिला तैराकों के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभर रही है।

दो सीटों पर दोस्ताना मुकाबला करेगी कांग्रेस : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 9 अप्रैल को होने वाले मतदान के मद्देनजर कांग्रेस ने एक आक्रामक चुनावी रणनीति की घोषणा की है। इसके तहत पार्टी ने संकेत दिया है कि वह लगभग 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एक व्यापक विपक्षी मोर्चे के हिस्से के रूप में अपने गठबंधन सहयोगियों को भी साथ लेकर चलेगी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि पार्टी ने अपनी सीट-बंटवारे की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ सत्ता-विरोधी वोटों को एकजुट करने के प्रयास में, पार्टी ने अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए 26 सीटें छोड़ी हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि कांग्रेस ने लगभग 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है। हमने अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए 26 सीटें आवंटित की हैं और इनमें से दो सीटों पर *दोस्ताना मुकाबला* होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्षी एकता के उभरने से राज्य का राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है, जिससे सत्ताधारी भाजपा पर दबाव बढ़ गया है। गोगोई के अनुसार, चुनाव से पहले विपक्षी ताकतों के एकजुट होने के कारण भाजपा के पहले के चुनावी समीकरणों में अब भारी बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा दबाव और घबराहट महसूस कर रही है। उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि विपक्षी दल एकजुट होंगे और 2026 के विधानसभा चुनावों में एक ठोस चुनौती पेश करेंगे। गठबंधन के पीछे के तर्क पर जोर देते हुए, गोगोई ने कहा कि यह कदम असम की जनता की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि असम की जनता यही चाहती थी और हमने एक एकजुट विपक्ष बनाकर उनकी इस इच्छा का सम्मान करने का फैसला किया है।

रंगिया : 25 हजार समर्थकों के साथ भाजपा प्रत्याशी भवेश कलिता ने दाखिल किया नामांकन

रंगिया (विभास)। आगामी असम विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में रंगिया विधानसभा क्षेत्र (31 नंबर) से भाजपा प्रत्याशी भवेश कलिता ने शुक्रवार को जिला रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। लगातार तीसरी बार उम्मीदवार बने कलिता ने भारी जनसमर्थन के साथ विशाल रैली निकाली। नामांकन से पहले उन्होंने स्थानीय मंदिरों में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद पुथिमारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान (सोनेश्वर) से हजारों समर्थकों संग रैली शुरू कर अमिनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय पहुंचे। इस दौरान करीब 25 हजार से अधिक लोग मौजूद रहे। जगह-जगह भाजपा समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी की और माहौल उत्सवमय हो गया। भवेश कलिता ने कहा कि रंगिया की जनता का आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत है। प्रतिकूल मौसम के बावजूद यह भारी समर्थन उत्साहवर्धक है। मैं क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध रहूंगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताया। साथ ही कहा कि भाजपा-एजीपी और सहयोगी दल एकजुट होकर कांग्रेस को हराएंगे तथा असम में फिर भाजपा सरकार बनेगी।

नगांव में दो अप्रैल से हनुमान जयंती का आयोजन

नगांव (विभास)। नगांव के हैबरगांव श्री हनुमान मंदिर में पिछले वर्षों की तरह इस बार भी आने वाले 2, 3, 4, 5 अप्रैल को चार दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ श्री हनुमान जन्मोत्सव की तैयाररिया आरंभ हो गई है। इस वर्ष 74वें वर्ष में प्रवेश करने वाले उत्सव के 2 अप्रैल के दिन सुबह से पूजा-अर्चना आदि के साथ शाम 5-30 बजे श्री हनुमान जन्मोत्सव का आधिकारिक उद्घाटन किया जाएगा। उक्त दिवस सायं 6 बजे से श्री सुंदरकांड सेवा मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ और बाद मे श्रीबजरंग भजन मंडली व पवन शर्मा द्वारा भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 3 अप्रैल को दोपहर 2 बजे श्री हनुमान मंदिर के सामने से एक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में मुरादाबाद के राहुल कुमार एंड पार्टी (इंडिया मस्त कलंदर के विजेता) द्वारा विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। शाम 6 बजे दिहानाम प्रस्तुति होगी तथा 4 और 5 अप्रैल को मुरादाबाद के राहुल कुमार एंड पार्टी द्वारा नृत्यनाटिका कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। तीन अप्रैल को शाम 8-30 बजे से विशेष भजन प्रस्तुति। 5 अप्रैल को रात्री 9 बजे से धुबड़ी के लोकप्रिय गायक तेजा पारिक और विकास पारिक द्वारा भजन प्रस्तुति। इसके अलावा चारों दिनों मंदिर परिसर में श्री रामचरित मानस रामायण पाठ आयोजित किया जाएगा। 6 अप्रैल को यज्ञ और पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। उल्लेखनीय है कि इस मुख्य कार्यक्रम से पहले 31 मार्च को सुबह 10 बजे शिलघाट के ब्रह्मपुत्र नद से पानी लाकर श्री कृष्णाश्रम शिवमंदिर मे रखा जाएगा बाद मे पवित्र जल को कलशो मे भरकर शोभायात्रा के साथ श्री हनुमान मंदिर लाया जाएगा और बाद मे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विद्वान पंडितों द्वारा श्री बजरंग बली का अभिषेक किया जाएगा।

होजाई में हर्षोल्लास से संपन्न हुआ राजस्थानी गणगौर पूजन, विसर्जन के साथ 18 दिवसीय व्रत का समापन

होजाई (निसं)। राजस्थानी लोक संस्कृति का जीवंत प्रतीक, आस्था और उमंग से भरा गणगौर पर्व आज होजाई में धूमधाम से समापन की ओर पहुंचा। होलिका दहन के ठीक दूसरे दिन से शुरू हुए इस 18 दिवसीय पावन व्रत का आज विधि-विधान से विसर्जन कर समापन किया गया। नवविवाहिताएं और कुंवारी कन्याएं सुबह से ही घर-घर और स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में ईसर (शिव) और गणगौर (पार्वती) की श्रद्धापूर्ण पूजा-अर्चना में लीन रहीं। प्रात:काल से ही महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक राजस्थानी लोकगीत गाते हुए पूजन किया, जिससे मरुस्थलीय संस्कृति की मधुर यादें ताजा हो उठीं। घरों में विशेष प्रसाद का भोग लगाया गया, जो सुहाग-सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। दोपहर होते-होते मंदिर परिसर में रंग-बिरंगे वस्त्रों से सजी गणगौर माता की प्रतिमाएं चमक उठीं। सायंकाल में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से निकली गणगौर माता की शोभायात्रा शिवबाड़ी घाट पहुंची, जहां पवित्र जल में विधि-विधान से विसर्जन कर 18 दिवसीय पूजन का समापन हुआ। कई युवतियों और माताओं ने अपने घरों में ही बड़े पानी के टबों में गणगौर का विसर्जन किया, मानो शिव-पार्वती को भावुक विदाई दे रही हों। यह पर्व न केवल वैवाहिक सुख की कामना करता है, बल्कि राजस्थानी परंपराओं को होजाई जैसे दूरस्थ अंचल में जीवित रखने का अनुपम उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि गणगौर पूजन से उनके जीवन में सुख-शांति की बहार आती है।

राज्यभर के साथ मांगुरामारी, होजाई और धुबड़ी में धूमधाम से मनी ईद-उल-फितर

कोकराझाड़ (विभास)। देशभर के साथ-साथ कोकराझाड़ जिले में भी आज इस्लाम धर्मावलंबियों का पवित्र त्योहार ईद-उल-फितर बेहद हर्षोल्लास और धार्मिक परंपराओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में सामूहिक नमाज अदा की गई, जहां हजारों की संख्या में मुस्लिम भाइयों ने शिरकत की। क्षेत्र की ऐतिहासिक दुरामारी जामे मस्जिद में सामूहिक नमाज का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर पर्वतझोरा निर्वाचन क्षेत्र से बीपीएफ के मनोनीत उम्मीदवार डॉ. रेजाउल करीम ने भी स्थानीय लोगों के साथ नमाज अदा की। नमाज के बाद डॉ. करीम ने बीटीसी क्षेत्र सहित संपूर्ण असम के लोगों को ईद की दिली मुबारकबाद दी। उन्होंने प्रदेश में अमन-चैन और खुशहाली की कामना की। ईदगाह मैदानों में सुबह से ही उत्साह का माहौल देखा गया। फकीराग्राम के निकटवर्ती मांगुरमारी ईदगाह मैदान में हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने एकत्रित होकर ईद की सामूहिक नमाज अदा की। नमाज के दौरान ईदगाह का नजारा देखने लायक था, जहाँ चारों ओर खुशी और भाईचारे का माहौल नजर आया। नमाज के बाद हर किसी ने एक-दूसरे को गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी। इस पवित्र मौके पर नमाजियों ने खुदा से देश और राज्य में शांति, आपसी समन्वय और भाईचारे के वातावरण को और मजबूत करने की दुआ मांगी। मांगुरमारी ईदगाह मैदान में बावखुंगरी निर्वाचन क्षेत्र से बीपीएफ के मनोनीत उम्मीदवार रूपम राय ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उन्हें ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राय ने इस मौके पर कहा कि ईद का यह त्योहार हमें प्रेम और एकजुटता का संदेश देता है, जो हमारे समाज की नींव है। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार देशभर में रंगारंग उमंग के साथ मनाए जा रहे ईद-उल-फितर के पावन पर्व ने होजाई जिले को भी खुशी के रंगों से सराबोर कर दिया।

शनिवार को हजारों मुस्लिम भाइयों-बहनों ने होजाई, नीलबागान, उदाली, जोगीजान, मुड़ाझाड़, गोपालनगर, कपास बड़ी, लंका, लामडिंग आदि क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ इस त्योहार को धूमधाम से निभाया। नीलबागान में 10 हजार से अधिक की भव्य उपस्थिति पूर्वी नीलबागान के ईदगाह मैदान पर सुबह 7-45 बजे करीब 10 हजार से अधिक इस्लाम धर्मावलंबी एकत्र होकर शांतिपूर्ण ढंग से सामूहिक ईद नमाज अदा की। एक माह लंबे रोजे के बाद संयम और त्याग का प्रतीक यह नमाज हाइलाकांदी के जमिया इस्लामिया तईवीया मदरसा के शिक्षक हजरत मौलाना रुहुल इस्लाम नदवी की इमामत में संपन्न हुई। इमाम साहब ने जाति-धर्म, भाषा-वर्ण भेदभाव भुलाकर सभी असमवासियों को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अंत में देशवासियों सहित समस्त विश्व में शांति की कामना करते हुए अल्लाह के समक्ष सामूहिक दुआ की गई। होजाई ईदगाह में रंग-बिरंगे तोरणों से सजी शोभा। होजाई ईदगाह मैदान में भी हजारों मुसलमानों ने सुबह ईद नमाज अदा की। मैदान की ओर जाने वाले रास्तों को रंग-बिरंगे ध्वजों और आकर्षक तोरण द्वारों से सजाया गया, जिसकी शोभा मनमोहक थी। नमाज के बाद बच्चे, युवा और बुजुर्ग एक-दूसरे को गले मिलकर ईद मुबारक की मुबारकबाद दिए। बाजारों में बच्चों का जमघट, खरीदारी का दौर ईद की खुशी में होजाई बाजारों में चहल-पहल उमड़ पड़ी। बच्चों ने खाद्य पदार्थों, खिलौनों और विविध वस्तुओं की जमकर खरीदारी की। हर्षोल्लास के साथ परिवारों ने एक-दूसरे के साथ पर्व का आनंद लिया। जिले के डबका, मुराझाड़, इस्लाम नगर आदि ईदगाहों पर भी नमाज अदा की गई, जो इस्लामी एकता और भाईचारे का सुंदर प्रतीक बनी। ईद की यह रौनक होजाई अंचल को शांति और प्रेम का संदेश दे गई। **धुबड़ी** से हमारे संवाददाता के अनुसार निचले असम के प्रमुख जिला धुबड़ी में आज (21 मार्च) ईद-उल-फितर का उत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में धुबड़ी में सुबह-सवेरे नमाज अदा करके हजारों लोगों ने दिन की शुरुआत की और रमजान के पवित्र महीने के समाप्त होने का जश्न मनाया। धुबड़ी में, वार्ड नंबर 11 के ईदगाह मैदान में लगभग 10 हजार नमाजी एकता और भक्ति की भावना के साथ ईद की नमाज अदा करने के लिए जमा हुए। इस जमावड़े में न सिर्फ पूरे शहर से, बल्कि आस-पास के इलाकों से भी लोगों ने हिस्सा लिया, जिससे यह इस इलाके के सबसे बड़े जमावड़ों में से एक बन गया। ईद का खुतबा (बयान) बहादुरतरी जामा मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल रशीद ने दिया, जिन्होंने ईदगाह मैदान में जमा लोगों को संबोधित किया। नमाज के साथ ही जश्न की शुरुआत हो गई, जिसमें लोगों ने एक-दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद दी और एकता, दान और शुक्रगुजारी की उस भावना को अपनाया जो इस त्योहार की पहचान है।

संपादकीय

अब यह 'तेल-गैस युद्ध'

ईरान युद्ध में अमरीका की ओर से कुछ सुखद संकेत आए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वह अमरीकी सैनिक नहीं भेजेंगे। अमरीका युद्ध जीत चुका है। ईरान का पूरा नेतृत्व समाप्त हो चुका है। अब शीघ्र ही सामान्य हालात होंगे। अमरीका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का बयान आया है कि ईरान पर से तेल की पाबंदियां हटाई जा सकती हैं। समुद्र में जिन जहाजों, टैंकरों में ईरान का तेल है, वह उसे किसी भी देश को बेच सकेगा। शीघ्र ही फैसला लिया जा सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ने युद्ध की समाप्ति के संकेत दिए हैं, लेकिन जब तक वह घोषणा नहीं करते और अपनी सेनाओं की वापसी का आदेश नहीं देते, तब तक सब कुछ अनिश्चित और अस्थिर है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की फितरत ही ऐसी है। दरअसल ईरान युद्ध के आयाम बिल्कुल बदल चुके हैं। अब यह 'तेल-गैस युद्ध' के खौफनाक, विध्वंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। यदि अमरीका वाकई युद्ध समेटना चाहता है, तो पेंटागन ने अमरीकी कांग्रेस (संसद) से 200 अरब डॉलर, यानी 18.64 लाख करोड़ रुपए, के अतिरिक्त फंड की मांग क्यों की है? यह बेहद मौजू सवाल है।

> अमरीका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का बयान आया है कि ईरान पर से तेल की पाबंदियां हटाई जा सकती हैं। समुद्र में जिन जहाजों, टैंकरों में ईरान का तेल है, वह उसे किसी भी देश को बेच सकेगा। शीघ्र ही फैसला लिया जा सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ने युद्ध की समाप्ति के संकेत दिए हैं, लेकिन जब तक वह घोषणा नहीं करते और अपनी सेनाओं की वापसी का आदेश नहीं देते, तब तक सब कुछ अनिश्चित और अस्थिर है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की फितरत ही ऐसी है। दरअसल ईरान युद्ध के आयाम बिल्कुल बदल चुके हैं। अब यह 'तेल-गैस युद्ध' के खौफनाक, विध्वंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। यदि अमरीका वाकई युद्ध समेटना चाहता है, तो पेंटागन ने अमरीकी कांग्रेस (संसद) से 200 अरब डॉलर, यानी 18.64 लाख करोड़ रुपए, के अतिरिक्त फंड की मांग क्यों की है? यह बेहद मौजू सवाल है। यदि भारत के शेयर और कारोबारी बाजार की बात करें, तो युद्ध के 20 दिनों में ही 37 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। बीती 19 मार्च को एक ही दिन में करीब 14 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। ये सिर्फ वित्तीय सेवाओं, संस्थानों और कॉरपोरेट के ही नुकसान हैं। समग्र नुकसान अनंत, असीम हो सकता है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि कच्चे तेल की कीमतें, लंबे वक्त तक, 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहीं, तो वित्त वर्ष 2027 में देश की जीडीपी बढ़ोतरी और कॉरपोरेट आय पर बुरा असर पड़ना तय है। भारत 19 लाख करोड़ रुपए का निर्यात खाड़ी देशों को करता है, जो युद्ध के कारण बाधित है, जाहिर है कि अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है।

यदि भारत के शेयर और कारोबारी बाजार की बात करें, तो युद्ध के 20 दिनों में ही 37 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। बीती 19 मार्च को एक ही दिन में करीब 14 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। ये सिर्फ वित्तीय सेवाओं, संस्थानों और कॉरपोरेट के ही नुकसान हैं। समग्र नुकसान अनंत, असीम हो सकता है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि कच्चे तेल की कीमतें, लंबे वक्त तक, 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहीं, तो वित्त वर्ष 2027 में देश की जीडीपी बढ़ोतरी और कॉरपोरेट आय पर बुरा असर पड़ना तय है। भारत 19 लाख करोड़ रुपए का निर्यात खाड़ी देशों को करता है, जो युद्ध के कारण बाधित है, जाहिर है कि अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। ईरान के जिस 'साउथ पार्स गैस प्लांट' पर इजरायल ने विनाशकारी हमला किया था, वह 1800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का सर्वाधिक उत्पादन करता है। पार्स अकेले ही 13 लंबे सालों तक दुनिया की गैस-जरूरतों की आपूर्ति कर सकता था। प्राकृतिक गैस उत्पादन में ईरान, अमरीका और रूस के बाद, तीसरा सबसे बड़ा गैस उत्पादक देश है। प्राकृतिक गैस 'ईरान की लाइफलाइन' रही है, क्योंकि वहां 80 फीसदी बिजली प्राकृतिक गैस से ही बनाई जाती रही है। उस प्लांट को जला कर खाक कर दिया गया है। चूंकि इस क्षेत्र में कतर भी साझेदार है, लिहाजा वह भी इतना प्रभावित हुआ है कि उसने एलएनजी का उत्पादन ही बंद कर दिया है। सबसे भीषण हमला कतर के 'रास लफान' एलएनजी प्लांट पर ईरान ने किया। नतीजतन कतर की गैस निर्यात क्षमता 17 फीसदी नष्ट हो गई है। भारत कतर से 47 फीसदी एलएनजी और 25 फीसदी रसोई गैस (एलपीजी) लेता रहा है। चीन और जापान भी इसी पर निर्भर रहे हैं। कतर से ही एशिया और यूरोप के अन्य देशों को भी गैस आपूर्ति होती रही है। यदि एलएनजी नहीं मिलेगी, तो यूरिया खाद का उत्पादन भी संकट में पड़ सकता है। यदि खाद की कमी होगी, तो फसलें भी कम होंगी। इन विनाशकारी हमलों ने ऊर्जा-संकट के साथ-साथ खाद्य-संकट की संभावनाएं भी पैदा कर दी हैं। ईरान ने 'साउथ पार्स' हमले से तिलमिला कर ही इजरायल समेत 9 देशों पर विध्वंसक मिसाइलों से हमले किए। यदि युद्ध नहीं थम जाता है, तो तबाह तेल-गैस ठिकानों, प्रतिष्ठानों और रिफाइनरियों के पुनर्निर्माण में कमोबेश 3-5 साल का वक्त लगेगा। अरबों रुपए खर्च करने पड़ेंगे। सबसे अहम यह है कि इस कालखंड में युद्ध नहीं होना चाहिए। अमरीका-इजरायल और ईरान ने इन बर्बादियों से हासिल क्या किया? मिट्टी-मलबा, खंडहर, बंजर जमीन और धधक कर खाक होते तेल-गैस प्लांट…! 2003 के 'इराक युद्ध' में भी अमरीका ने इसी तरह कई ऊर्जा-संयंत्रों को तबाह, बर्बाद किया था। युद्ध के दो साल बाद तक भी उनकी मरम्मत नहीं हो सकी थी।

कुछ अलग

गैस सिलेंडर मिल गया...

रोटी बनाते-बनाते गैस खत्म हो गई। अल्टरनेटिव सिलेंडर पहले से खाली था। तवे पर आधी रोटी कच्ची थी आधी पकी और अपन डाइनिंग टेबल पर प्लेट सजा कर बैठे थे। थोड़ा सा अचार भी रखा था। गरमा गरम फुल्के का इंतजार था। फुल्का तो फूला नहीं लेकिन बीवी का मुंह फूल गया। उसने नॉनस्टॉप तंज कसना शुरू कर दिए। बड़े तीस मार खान बने फिरते हो। बड़े-बड़े लीडरों के साथ उठते बैठते हो। फेसबुक पर बड़ी लंबी-लंबी छोड़ते हो। हर वक्त मूंछों पर ताव देते रहते हो। बिना वजह ही ही ही ही करते रहते हो। बड़े अकड़ कर चलते हो। घर पर रौब जमाते हो। एक सिलेंडर तक का जुगाड़ तो आपसे हो नहीं पा रहा है। आपसे अच्छा तो मोहल्ले का वह निकम्मा आदमी है जो दो सिलेंडर का जुगाड़ कर लाया है। तुमसे अच्छा तो वह हजामत बनाने वाला है जो किसी अफसर की हजामत बनाते-बनाते दो-तीन सिलेंडर भी अपने घर में ले आया है। तुम बड़े अफसर बने फिरते हो। बिना वजह मूंछों पर ताव देते फिरते हो। सिलेंडर का जुगाड़ तो तुमसे हो नहीं पा रहा है और मैं अब अपनी किटी पार्टी की सहेलियों को किस मुंह से अपना मुंह दिखाऊंगी। मैं चुपचाप अचार की डली को देखता रहा और तवे पर पड़ी आधी कच्ची आधी पकी रोटी को ऐसे निहारता रहा जैसे वह कोई राष्ट्रीय समस्या हो जिसका समाधान संयुक्त राष्ट्र में होना हो। बीवी का व्यंग्य जारी था। कहने लगी देश की राजनीति पर लंबा भाषण दे सकते हो लेकिन घर की रसोई की राजनीति समझ में नहीं आती। नेताओं की चाल पहचान लेते हो, पर गैस एजेंसी वाले की चाल नहीं पहचान पाए।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है

गैस की कतारों से उठते सवालः कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

योगेश कुमार गोयल

> नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और घरेलू उत्पादन में वृद्धि जैसे कदम अनिवार्य होंगे अन्यथा हर वैश्विक संघर्ष के साथ भारतीय रसोई और अर्थव्यवस्था इसी तरह असुरक्षा और अनिश्चितता की आग में झुलसती रहेगी। मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं।

यदि भविष्य में ऐसे संकटों से बचना है तो ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, गैस भंडारण अवसंरचना का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और घरेलू उत्पादन में वृद्धि जैसे कदम अनिवार्य होंगे अन्यथा हर वैश्विक संघर्ष के साथ भारतीय रसोई और अर्थव्यवस्था इसी तरह असुरक्षा और अनिश्चितता की आग में झुलसती रहेगी। मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है। वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा 'चोकपॉइंट' माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुत अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है। भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत

की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है। इसी संकट के दौरान पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पेट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती। इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है। इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है। संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है। दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए, ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आयाम है। जब किसी देश की रसोई, उद्योग और परिवहन व्यवस्था बाहरी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर होती है तो वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे उसके भीतर अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यही कारण है कि विकसित देश ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, वैकल्पिक ऊर्जा के विकास और बड़े पैमाने पर भंडारण की रणनीतियों पर लगातार काम करते रहते हैं। भारत को भी इसी दिशा में अधिक गंभीरता से आगे बढ़ना होगा।

देश दुनीया से

महिलाओं को लेकर कलाम का सपना अधूरा

देश के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन के नाम से मशहूर रहे डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि महिलाओं का सशक्तिकरण एक अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः एक अच्छे राष्ट्र के विकास की ओर ले जाता है। जब महिला सुखी होती है, तो घर सुखी होता है। जब घर सुखी होता है, तो समाज सुखी होता है, और जब समाज सुखी होता है तो राज्य सुखी होता है, और जब राज्य सुखी होता है तो देश में शांति होती है और उसका विकास अधिक गति से होता है। देश में महिलाओं की मौजूदा हालत को देखते हुए लगता नहीं है कि डा. कलाम का यह सपना पूरा नहीं हुआ है। इस सपने को पूरा करने के लिए अभी शायद दशकों तक इंतजार करना पड़ेगा। भारतीय महिलाओं ने स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर संसद में नेतृत्व तक का लंबा सफर तय किया है, फिर भी सच्ची समानता अभी भी दूर है। मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है, जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है और महिला आरक्षण विधेयक एक बड़ी छलांग का वादा करता है। लेकिन लैंगिक भेदभाव, परोक्ष राजनीति और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसी व्यवस्थागत बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। विश्व स्तर पर भारत में महिलाओं की स्थिति मिश्रित है, जहां वे नेतृत्व और सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, वहीं लैंगिक असमानता, सुरक्षा और श्रम भागीदारी में उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा और साक्षरता में प्रगति के बावजूद, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण और आर्थिक असमानता प्रमुख बाधाएं बनी हुई हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। जो महिलाओं की स्थिति में चिंताजनक गिरावट दर्शाता है। देश में महिलाएं अभी तक लिंगभेद का शिकार हैं। महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और अपराधों के ग्राफ बताते हैं कि उनकी तरक्की ऊंट के मुंह में जीरे से ज्यादा नहीं है। साल 2023 की राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में 2023 में महिलाओं के खिलाफ 13366 मामले दर्ज हुए, जो मुंबई में 6025 और बेंगलुरु में 4870 से कहीं ज्यादा हैं। हालांकि साल 2022 के मुकाबले महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश में 2021 से 2023 के बीच महिलाओं के खिलाफ कुल 1321745 अपराध दर्ज हुए। औसतन हर तीन मिनट में एक महिला किसी न किसी अपराध का शिकार हुई। गृह राज्य मंत्री संजय कुमार ने राज्यसभा में पेश आंकड़ों से बताया कि घरेलू हिंसा, अपहरण, यौन अपराध और बाल शोषण जैसी घटनाओं में लगातार तीन वर्षों में बढ़ोतरी देखी गई। उत्तर प्रदेश इन तीन वर्षों में सबसे आगे रहा, जहां 188207 मामले दर्ज हुए। इसके बाद महाराष्ट्र में 131958, राजस्थान 131246, बंगाल 105313 और मध्य प्रदेश में 95780 मामलों ने स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। महिलाओं के खिलाफ प्रमुख अपराधों में शामिल रहे पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के 409929 मामले तो वहीं अपहरण के 249284 मामले सामने आए। गृह राज्य मंत्री ने बताया था कि अपराधों के ये रुझान सामाजिक और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करते हैं। विभिन्न राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों से जुड़े अपराधों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। आर्थिक भागीदारी में भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों (82 फीसदी) की तुलना में केवल 18 फीसदी है, जो काफी कम है। कामकाजी महिलाओं में से केवल 40-42 फीसदी ही अपने पति के बराबर या उससे अधिक कमाती हैं। साक्षरता दर में 2010-2021 के बीच 14.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि, केवल 10 फीसदी महिलाएं अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णय खुद ले पाती हैं। संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। 2024 में 800 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। फिर भी, वैश्विक स्तर पर यह भागीदारी अभी भी कम है। लोकनीति-सीएसडीएस के 2019 के 'महिलाएं और राजनीति' सर्वेक्षण के मुताबिक अधिकतर महिलाओं को रैलियों में जाने, उम्मीदवार से मिलने या चुनाव प्रचार करने के लिए परिवार की मंजूरी लेनी पड़ती है। 58 प्रतिशत महिलाओं का मानना था कि राजनीतिक परिवार से आने वाली महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश आसान होता है। जबकि 57 प्रतिशत का मानना था कि आर्थिक रूप से मजबूत परिवारों की महिलाओं को बढ़त मिलती है। अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंचकर भी महिलाओं का लोकसभा में हिस्सा लगभग 14 प्रतिशत ही रहा, जबकि मतदाताओं में उनकी हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत है। 1952 में पहली लोकसभा में सिर्फ 22 महिलाएं चुनी गई थीं। 1977 में तो यह संख्या घटकर 19 ही रह गई। एक बड़ा बदलाव 21वीं सदी में दिखा। साल 2009 में 59 महिलाएं सांसद बनीं, 2014 में यह संख्या बढ़कर 62 हो गई, और 2019 में यह ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 78 तक पहुंच गई। 2024 में यह थोड़ा घटकर 74 रह गई। राजनीतिक दल अक्सर कम टिकट देने को यह कहकर सही ठहराते हैं कि महिलाओं के जीतने की संभावनाएं कमजोर होती हैं। लेकिन सफलता का आंकड़ा इस दावे को सवालों के घेरे में डाल देता है। 1957 में 49 प्रतिशत महिला उम्मीदवार जीतीं, जबकि पुरुषों में जीत का प्रतिशत सिर्फ 33 प्रतिशत था। 1962 में महिलाओं की सफलता दर 47 प्रतिशत थी, जबकि पुरुषों की सिर्फ 25 प्रतिशत। हाल के चुनावों में भी महिलाओं की सफलता दर बराबर या थोड़ा बेहतर ही रही। वर्ष 2019 में 11 प्रतिशत जीतीं, जबकि पुरुषों में यह दर 6 प्रतिशत थी। 2024 में महिलाओं की सफलता दर 9 प्रतिशत और पुरुषों की 6 प्रतिशत रही। इन आंकड़ों से साफ है कि जब महिलाओं को टिकट मिलता है तो वे चुनाव जीत सकती हैं। चाहे महिलाएं अब वोटिंग में लगभग बराबरी पर हों, लेकिन असली राजनीतिक शक्ति और प्रतिनिधित्व अब भी सीमित है। महिला आरक्षण बिल का पारित होना इस अंतर को कम करने का एक संरचनात्मक रास्ता जरूर खोलता है। आज भी 23 फीसदी युवा महिलाओं की शादी 18 वर्ष से पहले हो जाती है, जो ग्रामीण और गरीब घरों में अधिक आम है। एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार पंचायत प्रतिनिधियों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 46 फीसदी है, हालांकि उनकी प्रभावी भागीदारी कम बनी हुई है, खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान जैसे उत्तरी राज्यों में, जहां अक्सर पुरुष रिश्तेदार निर्णय लेने में हावी रहते हैं। इस प्रथा को उजागर करने और इसकी निंदा करने के लिए 'प्रधान पति' शब्द राजनीतिक शब्दावली में शामिल हो गया है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार गहरी जड़ें जमा चुके लैंगिक मानदंड प्रगतिशील कानूनों को कमजोर कर सकते हैं, परिवार और समुदाय सत्ता में महिलाओं को देखकर असहज महसूस कर सकते हैं, इसलिए वे पुरुषों को पर्दे के पीछे रखकर पुराने मानदंडों को लागू करते हैं। महिलाएं अब सेना, अंतरिक्ष, खेल और व्यावसायिक नेतृत्व में नए मानदंड स्थापित कर रही हैं। स्व-सहायता समूह, डिजिटल साक्षरता और शिक्षा में सुधार के लिए सरकारी प्रयासों से बदलाव आ रहा है। इस गति को बढ़ाने की जरूरत है।

आप का नजरीया

कुछ तो बदलना पड़ेगा

मुद्दों की बैसाखियां कई बार आपसी रगड़ से भी टूटती हैं, लेकिन कदम उठाने के लिए आत्मशक्ति चाहिए। विधानसभा के बजट सत्र में राज्य की आत्मशक्ति का परीक्षण, कई बार आलोचना की फिजूलखर्ची में जाया हो जाता है। एचआरटीसी की हालत का वृत्तांत भले ही इसके बही खाते दें, लेकिन जनापेक्षाओं का समुद्र कुछ और कहता है। इसलिए विधायक डी एस ठाकुर के प्रश्न ने सारा चिठ्ठा खोल दिया। विधायक अपनी छतरी के नीचे साधारण जनता को सरकारी परिवहन सेवाओं का उन्नत जरिया सौंपना चाहते हैं, लेकिन अर्थ तंत्र की अपनी चाल है। मुकद्दमा यह नहीं कि किसी अनुपात से सरकारी बसों के रूट चलाए जाएं, बल्कि यह है कि सार्वजनिक उपक्रमों को हमेशा घाटे की सजा से कैसे बचाएं। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के अनुसार सत्ता और विपक्ष के बीच जनता को न बांटें, क्योंकि कांग्रेसी विधायकों को मुंह मांगे रूट मिलते हैं। बहस का पैमाना अगर बायबल रूट्स का है, तो परिवहन नीति और एचआरटीसी के जरिए सार्वजनिक परिवहन पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। यह इसलिए भी क्योंकि अब सार्वजनिक परिवहन पर निर्भरता घट रही है। निजी वाहनों की तादाद बढ़ी है, जबकि टैक्सी आपरेशन भी सीधे परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण विकल्प बन रहा है। आज परिवहन की जरूरतें बदल रहीं हैं और लोगों के सामने कई विकल्प हैं, फिर भी प्रदेश की भौगोलिक दुरुहता को देखते हुए सरकारी बसें हमारे सतत विकास का ब्रांड हैं। बढ़ते निजी वाहनों व टैक्सी आपरेशन के कारण ट्रैफिक के दबाव बढ़े हैं, जिसका हल सार्वजनिक परिवहन से निकल सकता है। दूसरी ओर एचआरटीसी के अनावश्यक दोहन से यह सरकारी उपक्रम अपने वित्तीय असंतुलन की चिंतनीय स्थिति में है। सरकार को कई अलाभकारी, अनावश्यक व फिजूल के बस रूट्स या तो बंद करने पड़ रहे हैं या इन्हें निजी हाथों को सौंपना पड़ रहा है। सालाना एचआरटीसी 840 करोड़ का घाटा उठा रही है, जबकि संचयी घाटा 2200 करोड़ से अधिक हो चुका है। यही वजह है कि करीब साढ़े चार सौ रूट बंद किए जा चुके हैं। ऐसे में चर्चा का मसौदा बदलना पड़ेगा। बतौर परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री के सामने जो भी चुनौतियां हों, उनकी सार्वजनिक परिवहन के अर्थ और भूमिका बदलनी पड़ेगी। उप मुख्यमंत्री का एक अपना हिसाब है जो देख रहा है कि विभिन्न डिपुओं की बसें जब एक ही डेस्टिनेशन पर निकलती हैं, तो सवारियों की आक्यूपेंसी बंट जाती है। ऐसे में वास्तविक दोषी डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि बढ़ते बस डिपो क्यों न ठहराए जाएं। अगर साढ़े चार सौ बस रूट बंद हुए, तो इस हिसाब से पांच-छह बस डिपो भी बंद कर देने चाहिएं। उदाहरण के लिए कभी बैजनाथ बस डिपो कांगड़ा में कुशल परिवहन के मानक दर्ज करता था, लेकिन इसी के आसपास जोगिंद्रनगर, पालमपुर व नगरोटा बगवां डिपो ने ऐसे रूट बना दिए कि बैजनाथ का फ्लीट अप्रासंगिक व घाटे का होने लगा। अगर डिपो कम किए जाएं, तो रूट भी ज्यादा व्यावहारिक, किफायती और सफल होंगे। एचआरटीसी के पूरे ढांचे को खंगालने की जरूरत है, इतना ही नहीं विधानसभा की चर्चा को विस्तारित करते हुए पूरे परिवहन क्षेत्र के योगदान को सफल बनाने की जरूरत है। प्रदेश में निजी बसों के योगदान को देखते हुए रूट्स की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप निर्धारित किया जाए, तो सेवाओं का वर्गीकरण होगा। मसलन लांग रूट्स, राज्य के भीतरी रूट्स, इंटर सिटी रूट्स व स्थानीय रूट्स को और सक्षम बनाने के लिए समयसारिणी से तीव्र सेवा को नई पहचान देने की जरूरत है। तत्कालीन परिवहन मंत्री जी एस बाली ने राजधानी शिमला को जिला मुख्यालयों से नॉनस्टॉप बसों से जोड़ा, तो यह व्यवहार कदम गया, लेकिन अब ये प्रयोग भी बंद हो चुके हैं। बेशक इलेक्ट्रिक बसें महंगी हैं, लेकिन इनका संचालन एचआरटीसी की आपरेशन में किफायत और विशिष्टता ला सकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में एचआरटीसी को छोटे वाहन चला कर भौगोलिक दुरुहता व शहरी ट्रांसपोर्ट सिस्टम को नई पहचान देनी होगी। इसी के साथ वैकल्पिक परिवहन के लिए ढांचागत परिवर्तन करते हुए रज्जू मार्ग, स्काई बस या मोनोट्रेन जैसे मॉडल विकसित करने होंगे।

> विधानसभा के बजट सत्र में राज्य की आत्मशक्ति का परीक्षण, कई बार आलोचना की फिजूलखर्ची में जाया हो जाता है। एचआरटीसी की हालत का वृत्तांत भले ही इसके बही खाते दें, लेकिन जनापेक्षाओं का समुद्र कुछ और कहता है। इसलिए विधायक डी एस ठाकुर के प्रश्न ने सारा चिठ्ठा खोल दिया। विधायक अपनी छतरी के नीचे साधारण जनता को सरकारी परिवहन सेवाओं का उन्नत जरिया सौंपना चाहते हैं, लेकिन अर्थ तंत्र की अपनी चाल है। मुकद्दमा यह नहीं कि किसी अनुपात से सरकारी बसों के रूट चलाए जाएं, बल्कि यह है कि सार्वजनिक उपक्रमों को हमेशा घाटे की सजा से कैसे बचाएं। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के अनुसार सत्ता और विपक्ष के बीच जनता को न बांटें, क्योंकि कांग्रेसी विधायकों को मुंह मांगे रूट मिलते हैं। बहस का पैमाना अगर बायबल रूट्स का है, तो परिवहन नीति और एचआरटीसी के जरिए सार्वजनिक परिवहन पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। यह इसलिए भी क्योंकि अब सार्वजनिक परिवहन पर निर्भरता घट रही है। निजी वाहनों की तादाद बढ़ी है, जबकि टैक्सी आपरेशन भी सीधे परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण विकल्प बन रहा है।

दृष्टि कोण

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव 2026: सियासी मुकाबला, आरोप-प्रत्यारोप और लोकतंत्र का बड़ा इम्तिहान

2026 के ये विधानसभा चुनाव भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बड़ा इम्तिहान हैं। एक ओर जहां राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में हैं, वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दे रहा है। भारत में एक बार फिर लोकतंत्र का महापर्व शुरू हो चुका है। चुनाव आयोग ने असम, केरल, तमिलनाडु, पामि बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इस घोषणा के साथ ही देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और सभी दल चुनावी मैदान में पूरी ताकत से उतर चुके हैं। इन पांचों राज्यों में कुल 824 सीटों पर मतदान होना है और लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। यह संख्या कई बड़े देशों की आबादी के बराबर है, जिससे इन चुनावों की अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता लागू हो चुकी है और अब सभी राजनीतिक दलों को इसके नियमों का पालन करना होगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार पामि बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में वोटिंग कराई जाएगी। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा और सभी राज्यों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस तरह चुनाव प्रक्रिया करीब 51 दिनों तक चलेगी। पिछली बार पामि बंगाल में आठ चरणों में मतदान हुआ था, लेकिन इस बार इसे घटाकर दो चरणों में सीमित किया गया है, जिससे प्रशासनिक प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने इस बार पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर कई नए प्रयोग किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि मतदाता सूची को शुद्ध बनाने के लिए विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया लागू की गई, जिससे अयोग्य नामों को हटाया जा सके। इसी प्रक्रिया के तहत तमिलनाडु में सबसे ज्यादा करीब 74 लाख नाम हटाए गए, जबकि पामि बंगाल में लगभग 58 लाख

नाम सूची से बाहर किए गए। केरल, असम और पुडुचेरी में भी हजारों नाम हटाए गए हैं। इस कदम को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं, जबकि आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया संविधान के अनुसार और पूरी पारदर्शिता के साथ की गई है। चुनाव आयोग ने मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्श बनाने के लिए सभी बूथों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था करने की घोषणा की है। इसके अलावा मोबाइल फोन को मतदान केंद्र के अंदर ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या प्रभाव डालने की संभावना कम हो सके। आयोग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि एक मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता न हों, ताकि मतदान सुचारू रूप से हो सके। दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में भी मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां अधिकारी कठिन परिस्थितियों में पहुंचकर चुनाव संपन्न कराते हैं। केरल और असम के कई क्षेत्रों में मतदान दलों को कई किलोमीटर पैदल चलकर बूथ तक पहुंचना पड़ता है, जो भारत के लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है। चुनाव की घोषणा के साथ ही राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग और भाजपा के बीच जुगलबंदी चल रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्यक्रम की टाइमिंग से यह स्पष्ट होता है कि सत्ताधारी दल को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। वहीं भाजपा नेताओं ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष अपनी हार की आशंका से पहले ही बहाने बना रहा है।

दरबार साहिब की एआई तस्वीर बनाकर बेअदबी क्रिकेटर्स को नंगे सिर दिखाया

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) द्वारा बार-बार चेताए जाने के बावजूद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से अमृतसर स्थित दरबार साहिब का वीडियो-फोटो बनाकर बेअदबी का नया मामला सामने आया है। एक क्रिकेट फैन पेज ने दरबार साहिब में क्रिकेटर्स और बॉलीवुड कलाकारों की एआई फोटो फेसबुक पर शेयर की है। पहली फोटो में क्रिकेटर युवराज सिंह को तो दूसरी फोटो में क्रिकेटर हार्दिक पांड्या को नंगे सिर दिखाया है जबकि दरबार साहिब में जाने के लिए सिख धर्म के अनुसार सिर ढकना जरूरी है। इससे कुछ दिन पहले ही एक कंकाल की गोल्डन टेंपल की परिक्रमा और लंगर हॉल में जूते पहने एआई वीडियो शेयर की गई थी। इस फोटो पर एसजीपीसी ने कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि इस मामले में अब केंद्र व राज्य सरकार को सख्त कानून बनाना चाहिए, ताकि ऐसे आरोपियों पर सख्त कार्रवाई हो और भविष्य में कोई इस तरह की बेअदबी न कर सके।

पंजाब में वेयर हाउसिंग के डीएम ने की आत्महत्या, परिवहन मंत्री का इस्तीफा

अधिकारी ने मरने से पहले वीडियो जारी कर मंत्री पर लगाए गंभीर आरोप ■ सीएम ने मुख्य सचिव को दिए जांच के आदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर में तैनात स्टेट वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक के आत्महत्या किए जाने का मामला गंभीर हो गया है। शनिवार को अधिकारी का रिकार्ड एक वीडियो वायरल होने के बाद पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री भवगंत मान ने पंजाब के मुख्य सचिव को जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। गगनदीप सिंह रंधावा अमृतसर और तरनतारन में अपनी सेवाएं दे रहे थे। घटना के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। गगनदीप ने मरने से पहले एक वीडियो रिकार्ड करके पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लिया। विभाग के पास एक गोदाम के लिए स्थान देने का प्रस्ताव आया था। जांच के दौरान विभागीय टीम ने पाया कि प्रस्तावित जगह के ऊपर से उच्च वोल्टेज की बिजली की तारें गुजर रही हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से उचित नहीं थी। इसी आधार पर विभाग ने उस प्रस्ताव को रद्द कर दिया था। शुक्रवार को अमृतसर दौरे के दौरान मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने इस मामले को लेकर कथित तौर जिला प्रबंधक पर दबाव बनाया। इससे आहत होकर गगनदीप सिंह रंधावा ने यह कदम उठाया। रंधावा ने जहर निगलने से पहले एक वीडियो बनाकर पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया। घटना

के बाद पंजाब में हड़कंप मच गया है। अकाली नेता बिक्रमजीत मजीठिया ने मृतक का वीडियो जारी करते मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। इसी दौरान अमृतसर के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने अस्पताल का दौरा करके मृतक का पोस्टमार्टम पीजीआई के बोर्ड से करवाने की मांग की। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का इस्तीफा ले लिया है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। इसी दौरान परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि उन पर लगे इलजाम पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। वर्तमान हालातों को देखते हुए उन्होंने स्वयं अपने पद से इस्तीफा पेश कर दिया है। भुल्लर ने कहा कि इस मामले की जांच में मंत्री पद आड़े नहीं आना चाहिए। सच्चाई सबके सामने आएगी।

एक करोड़ की फिरौती के लिए आईटी कंपनी मालिकों का अपहरण

जयपुर (हिंस)। मुहाना थाना क्षेत्र में आईटी कंपनी के दो मालिकों के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने यूएसडीटी (क्रिप्टो) में निवेश के नाम पर बुलाकर दोनों को अपहरण कर लिया और परिजनों से 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते करीब ग्यारह घंटे बाद बदमाश दोनों को छोड़कर फरार हो गए। थानाधिकारी गुर भूपेंद्र सिंह के अनुसार जगतपुरा निवासी राहुल और दिनेश मानसरोवर स्थित इस्कॉन मंदिर के पास आईटी कंपनी संचालित करते हैं। 19 मार्च की शाम उन्हें कॉल कर यूएसडीटी में निवेश का झांसा दिया गया और मिलने के लिए बुलाया गया। शाम करीब 7 बजे पहुंचते ही 6-7 नकाबपोश बदमाशों ने दोनों को कार में बैठाकर अगवा कर लिया। बदमाशों ने अपहृत युवकों के मोबाइल से परिजनों को कॉल कर 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और पैसे लेकर गोनेर बुलाया। सूचना मिलते ही पुलिस ने कंट्रोल रूम के जरिए सक्रियता दिखाते हुए बदमाशों का पीछा शुरू किया। आरोपी गोनेर, हिंगोनिया गौशाला, इंदिरा गांधी नगर, खो नागोरियान, कानोता और बस्सी होते हुए नायला व जामडोली के जंगलों में घूमते रहे। लगातार पुलिस दबाव के चलते बदमाश शुक्रवार सुबह करीब 5-30 बजे दोनों को गलता के जंगल में कार सहित छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से कार जब्त कर ली है और एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। जांच में सामने आया कि वारदात में प्रयुक्त कार मानसरोवर की एक रेंटल कंपनी से ली गई थी। सीसीटीवी फुटेज और कार में लगे जीपीएस के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए तीन टीमें गठित की हैं और मामले की गहन जांच जारी है।

तीसरी बार हैट्रिक मारकर सुशासन का खिलेगा कमल : डॉ. रमापति राम त्रिपाठी

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी ने प्रयागराज आगमन पर शनिवार को सर्किट हाउस के सभागार में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं से भेट की। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकजुट होकर 2027 के विधानसभा चुनाव और आगामी होने वाले जिला पंचायत चुनाव की तैयारी कर उत्तर प्रदेश में फिर एक बार प्रचंड बहुमत के साथ सुशासन का कमल खिलाएं। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता पूरी तरह से चुनावी मूड में आ जाएं और तीसरी बार हैट्रिक मारकर सुशासन का कमल खिलाएं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में आज कोहराम मचा हुआ है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सुरक्षित महसूस कर रहा है और देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। भारत की बढ़ती हुई ताकत को देखकर देश के दुश्मन परेशान हैं और भारत को भी युद्ध की आग में झोंकना चाहते हैं। लेकिन ये मोदी जी का भारत है जो देश के दुश्मनों से बदला लेने के लिए घर में घुसकर मारता भी है और अपने कुशल कूटनीति से भारत को युद्ध से बचाता भी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में उत्तर प्रदेश गुंडा मुक्त होकर विकसित उत्तर प्रदेश बन रहा है और लोग अमन चैन से जी रहे हैं। नहीं तो इसी उत्तर प्रदेश में सपा के शासन में गुंडों का आंतक था और लोग डर के साए में जी रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने फिर से तीसरी बार हैट्रिक मारकर प्रदेश में विकास का खुशहाली का और सुशासन का कमल खिलाने की तैयारी कर ली है। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी, प्रवक्ता राजेश केसरवानी, भाजपा नेता उमेश द्विवेदी, पार्षद आशीष द्विवेदी, पार्षद ज्ञानेंद्र मिश्रा, विवेक अग्रवाल प्रमोद मोदी, अजय अग्रहरि, शत्रुघ्न जायसवाल एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जमुवाय माता व शिला माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

जयपुर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने नवरात्र के पावन अवसर पर आज जमुवाय माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने माता के दरबार में पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ भी देखने को मिली। जहां उपमुख्यमंत्री ने पूरी श्रद्धा और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पूजा अर्चना की। उन्होंने माता से प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना की। इस अवसर पर दिया कुमारी ने सभी प्रदेशवासियों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि यह पर्व शक्ति, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जो समाज में नई ऊर्जा का संचार करता है। जमुवाय माता मंदिर में पूजा के बाद उपमुख्यमंत्री मनसा माता मंदिर और आमेर स्थित शिला माता मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। यहां भी उन्होंने प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की।

राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने खरीदे वोट, कांग्रेस ने बेचे, इनेलो बिकाऊ नहीं, वास्तविकता जनता के सामने : अर्जुन चौटाला

रोहतक (हिंस)। इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वास्तविकता जनता के सामने है कि किस तरह से भाजपा ने खुला बाजार लगाकर विधायक खरीदने के लिए बोली लगाई और कांग्रेस ने किस तरह से अपने विधायकों को बेच दिया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में हिस्सा नहीं लेना संगठन का फैसला था और कांग्रेस ने कभी भी इनेलो से संपर्क नहीं किया, लेकिन कांग्रेस के राज्यसभा सांसद बने कर्मबीर बौद्ध को इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला का धन्यवाद जरूर करना चाहिए, क्योकि कांग्रेस संगठन ने तो बौद्ध को बेच दिया था, लेकिन ना चाहते हुए उनकी जीत हुई है। इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला शनिवार को रूपया चौक स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली और 23 मार्च को नरवाना में शहीदी दिवस पर होने वाले इनेलो युवा सम्मेलन को लेकर निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस केवल भूपेंद्र सिंह हुडा है और भाजपा के हाथों चुनाव में बिक कर क्रास वोटिंग करने वाले विधायकों को अब हुड्डा बचाने में लगे हुए है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन ऐतिहासिक होगा और अब प्रदेश की जनता ने पूरी तरह से बदलाव का मन बना लिया है, जिसमें युवाओं की अहम भागेदारी होगी। आजाद उम्मीदवार सतीश नांदल द्वारा राज्यसभा चुनाव में इनेलो द्वारा विश्वासघात करने के सवाल पर विधायक अर्जुन चौटाला ने कहा कि वोट मांगने का सबको अधिकार है और सतीश नांदल वोट मांगने के लिए उनके पास व अभय सिंह चौटाला से मिले थे और अभय चौटाला ने साफ शब्दों में कहा था कि देखेगे। उन्होंने कहा कि देखेगे और देगे में काफी फर्क होता है और जो आदमी चुनाव लडता है उसको उम्मीदे ज्यादा होती है। राज्यसभा चुनाव से दूरी बनाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह संगठन का फैसला था। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा के हर चुनाव में रिकार्ड उठाकर देख ले की कांग्रेस ने हमेशा खेला किया है। इस चुनाव में हुड्डा एजेंट थे जिनके सामने सबकुछ हुआ है और अब वहीं चुप क्यों बैठे है, जिससे साफ जाहिर होता है कि हुड्डा भाजपा के हाथ बिक कर क्रॉस वोटिग करने कांग्रेस विधायकों को बचाने में लगे हुए है। इस अवसर पर युवा प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी, जिला प्रधान डॉ. नफे सिंह लाहली, पूर्व विधायक बलवंत मायना, इंद्र सिंह ढुल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नूंह में दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे और पथराव

नूंह (हिंस)। हरियाणा के नूंह जिले के पिनगवा थाना क्षेत्र के गांव लाहबास में एक मामूली कहासुनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। छोटी सी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि दो पक्ष आमने-सामने आ गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। इसके बाद हालात और बिगड़ गए जब दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कुछ लोग अपने-अपने घरों की छतों पर चढ़ गए और एक-दूसरे पर पत्थर बरसाने लगे। इस दौरान पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना से भयभीत होकर महिलाएं और बच्चे अपने-अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पिनगवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों को अलग किया गया और स्थिति को शांत कराया गया। थाना प्रभारी के अनुसार, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, जो राहत की बात है। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला फिलहाल शांत करा दिया है। हालांकि, एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और विवाद के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मंदिर दर्शन कर लौट रहे परिवार की कार टकराई दादा-पोती की मौत

नागौर (हिंस)। जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। मंदिर में धोक देकर लौट रहे परिवार की कार सामने से आ रही दूसरी कार से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यह हादसा जायल थाना क्षेत्र के तरनाऊ गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार ओवरटेक करने के दौरान यह टक्कर हुई। हादसे में कोलिया निवासी 67 वर्षीय चुनाराम और उनकी दो वर्षीय पोती गर्विता की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन इस हादसे ने पूरे माहौल को गम में बदल दिया। हादसे में दोनों गाड़ियों में सवार कुल नौ लोग घायल हो गए। घायलों में नदीम, मोहिन, इरफान, इमरान, हेमाराम, गोविंद, प्रभुराम और पूनम शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार एक कार में सवार परिवार बुटाटी के पास स्थित झुंझाला गुसाईं मंदिर में दर्शन कर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी कार से टक्कर हो गई।

ईद की नमाज से गणगौर की शाही सवारी तक जयपुर पुलिस अलर्ट

जयपुर (हिंस)। राजधानी समेत प्रदेश भर में शनिवार को ईद और गणगौर का पर्व एक साथ मनाया जा रहा है। इसे देखते हुए जयपुर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है और शहर में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद किया गया है। पुलिस ने दोनों प्रमुख आयोजनों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत सुरक्षा और ट्रैफिक प्लान तैयार किया है, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें। ईद के अवसर पर शनिवार सुबह ईदगाह क्षेत्र में नमाज के दौरान यातायात डायवर्ट किया गया। वहीं शाम को गणगौर की पारंपरिक सवारी सिटी पैलेस से रवाना होकर छोटी चौपड़ होते हुए निर्धारित मार्ग पर निकलेगी। इस दौरान भी प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. राजीव पचार ने बताया कि गणगौर सवारी के दौरान पार्किंग की व्यवस्था गोविंद देवजी मंदिर परिसर, सिटी पैलेस पार्किंग और चौगान स्टेडियम में रहेगी। सवारी के दौरान सिटी पैलेस से छोटी चौपड़ जाने वाले मार्ग पर यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। भीड़भाड़ वाले इलाकों, नमाज स्थलों और जुलूस मार्गों पर ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए कड़ी नजर रखी जाएगी। अभय कमांड सेंटर से पूरे शहर की गतिविधियों की मॉनिटरिंग होगी, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत

कार्रवाई संभव हो सके। दोनों त्योहारों को देखते हुए शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। हर आयोजन और जुलूस के लिए अलग-अलग सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पुलिस ने पहले से विस्तृत ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। ईद की नमाज और गणगौर की शोभायात्रा के दौरान आमजन की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है, जिससे शहर में यातायात सुचारु बना रहे। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर है। ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया है और ड्रोन सर्वे के जरिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की गई है। डॉ. राजीव पचार के अनुसार ईदगाह में होने वाली बड़ी नमाज को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। यहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी।

एसटीएफ व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो नक्सली गिरफ्तार

नवादा (हिंस)। बिहार में नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र में बिहार पुलिस मुख्यालय (विशेष कार्य बल) की टीम और नवादा जिला पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर पीएलएफआई नक्सल संगठन के दो हार्डकोर सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दयानंद राजवंशी उर्फ गुर्जर उर्फ पप्पू तथा मिथिलेश राजवंशी के रूप में हुई है, जो हरदिया थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। नवादा की पुलिस अधीक्षक अभिनव अधिमान्य शनिवार को बताया कि पुलिस के अनुसार, दोनों की निशानदेही पर रजौली थाना क्षेत्र के पहाड़ी व जंगली इलाके के भनेखाप में छापेमारी की गई, जहां से बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। बरामद सामान में .315 रेगुलर राइफल 2, .315 के 20 जिंदा कारतूस, एक टैक्टिकल गियर (बुलेटप्रूफ प्लेट सहित), एक बुलेटप्रूफ पटका, 9 डेटोनेटर, करीब 40.625 किलोग्राम विस्फोटक (325 पैकेट) और लगभग 100 मीटर कोडेक्स वायर शामिल है। इस मामले में रजौली थाना में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। रजौली थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की गहन जांच कर रही हैं और क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है।

सीमा पार से तस्करी की कोशिश नाकाम, 6.5 किलो हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ समन्वय करके बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) जीजी-2, गांव महतम नगर के पास से 6.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। यह जानकारी शनिवार को पंजाब पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पाकिस्तान आधारित तस्कर जीरो लाइन पार करके सीमा पर लगी कंटीली बाड़ के पास पहुंच गए और अंधेरे का फायदा उठाकर उन्होंने भारत के क्षेत्र में नशीले पदार्थ भेजने की कोशिश की। इस घुसपैठ को रोकने के लिए सतर्क बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के जवानों ने कई राउंड गोलियां चलाईं, जिसके बाद विस्तृत संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया और इन नशीले पदार्थों की बरामदगी की गई।

बिहार में वज्रपात से दो लोगों की मौत

पटना (हिंस)। बिहार में शुक्रवार देर रात तेज आंधी-पानी के साथ वज्रपात से 02 लोगों की मौत हो गई और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना सहित राज्य के 13 जिलों में हुई आंधी-बारिश से फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से गयाजी में 02 लोगों की मौत हो गई। देर रात राज्य के कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना के बाढ़ इलाके में ताड़ के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से आग लग गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं, गया जिले के वजीरगंज और डुमरिया में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वजीरगंज के कोल्हना गांव निवासी मनोज सिंह (50) और डुमरिया के छकरबंधा थाना क्षेत्र निवासी महेंद्र यादव (55) के रूप में हुई है।

सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर महिला स्वावलंबन कार्यक्रम में महिलाओं को आर्थिक सहायता

जौनपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में योगी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में महिला स्वावलंबन, सम्मान और सुरक्षा को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने *वेदिका फूड्स* के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों की नौ महिलाओं को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी महिलाओं द्वारा फीता काटकर किया गया। इसके बाद जिलाधिकारी, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा बीसी सखियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सम्मानित की गईं महिलाओं में सृजन समूह की सुनिधि चौहान, ई-देवी समूह की

सुनीता पाल, सत्यजीत समूह की रामरती, तुलसी आजीविका समूह की बल्ली, लक्ष्मी समूह की रंजना पाल, कृष्णा समूह की रीमा सिंह, शीतला समूह की शोभावती, दुर्गा समूह की सीमा तथा गंगा समूह की संगीता शामिल रहीं। ये महिलाएं *वेदिका फूड्स* के माध्यम से गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल उत्पाद जैसे दीये, गमले, हवन सामग्री और कंडे तैयार कर रही हैं। उनके इस कार्य से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। नवरात्र के अवसर पर उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने पिछले नौ वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर महिलाओं के कार्य की प्रशंसा की। *वेदिका फूड्स* द्वारा समूहों को बाजार उपलब्ध कराने की पहल को भी सराहनीय बताया।

चैत्र नवरात्र : तीसरे दिन सौभाग्य गौरी और मां चंद्रघंटा के दरबार में श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई

वाराणसी (हिंस)। चैत्र नवरात्र के तीसरा दिन काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में सौभाग्य गौरी और देवी चित्रघंटा को समर्पित है। शनिवार को श्रद्धालुओं ने परम्परानुसार नवदुर्गा स्वरूप देवी चंद्रघंटा और सौभाग्य गौरी के दरबार में पूरे आस्था के साथ मत्था टेका। जीवन में सौभाग्य के आगमन के लिए श्रद्धालु माता रानी के दरबार में अर्जी भी लगाते रहे। इस दौरान दोनों देवी मंदिर उनके जयकारे से गुंजायमान रहा। दोनों मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालु नर-नारी तड़के तीन बजे से ही पहुंचते रहे। दोनों मंदिरों के द्वार से लेकर गलियों तक कतारबद्ध श्रद्धालु अपनी बारी आने पर दर्शन पूजन करते रहे। मां चंद्रघंटा के चौक चित्रघंटा गली स्थित दरबार में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें पूर्वांह तक बनी रही। भक्तगण

अपनी बारी का बेसब्री से इंतजार करते हुए माता के दरबार में नारियल, चुनरी अर्पित कर श्रद्धा भाव से मत्था टेकते रहे और परिवार में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर *सांचे दरबार की जय, जय माता दी* के जयकारों से गूंजता रहा। दोनों मंदिरों में तड़के माता रानी के विग्रह को महंत की देखरेख में पंचामृत स्नान कराकर किया गया। इसके पश्चात विग्रह को नवीन वस्त्र पहनाकर श्रृंगार किया गया। भोग अर्पित करने के बाद मंगला आरती की गई और तत्पश्चात मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया।

ओप्पो फाइंड एन 6 फोल्डेबल स्मार्टफोन हुआ लांच

नई दिल्ली

चाइनीज कंपनी ओप्पो ने अपना नया फोल्डेबल स्मार्टफोन ओप्पो फाइंड एन 6 लान्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि इस तकनीक की मदद से फोन को खोलने पर स्क्रीन पर फोल्ड लाइन बेहद कम दिखाई देती है, जिससे यूजर्स को ज्यादा स्मूद और प्रीमियम विजुअल अनुभव मिलता है। यह बुक-स्टाइल फोल्डेबल फोन अपने खास झीरो फील क्रेज डिस्प्ले के कारण सुर्खियों में है। फोन में 8.12 इंच का फोल्डेबल ओलेड मेन डिस्प्ले और 6.62 इंच का अमोलेड कवर स्क्रीन दिया गया है। दोनों डिस्प्ले 120 एचझेड तक की एडैप्टिव रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करते हैं, जिससे स्क्रालिंग और वीडियो देखने का अनुभव अधिक बेहतर हो जाता है। यह स्मार्टफोन स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 प्रोसेसर पर आधारित है, जो 3 एनएम तकनीक के साथ तेज और शक्तिशाली परफार्मेंस देने में सक्षम है। स्मार्टफोन में 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 1 टीबी तक यूएफएस 4.1 स्टोरेज का विकल्प मिलता है। यह डिवाइस एंड्राएड 16 आधारित कलरओएस 16 आपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें हैसलब्लैड ट्यूनिंग के साथ क्वाड रियर कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर शामिल है।

चीन में इसके 12जीबी प्लस 256जीबी वेरिएंट की कीमत करीब 9,999 युआन (लगभग 1.34 लाख रुपये) रखी गई है, जबकि 16जीबी प्लस 512जीबी और 1टीबी वेरिएंट की कीमत इससे अधिक है।

नया स्मार्टफोन ओप्पो ए6एस 5जी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ओप्पो ने अपनी ए सीरीज का नया स्मार्टफोन ओप्पो ए6एस 5जी लान्च कर दिया है। नए स्मार्टफोन में आधुनिक फीचर्स के साथ 5जी सपोर्ट दिया गया है, जिससे यूजर्स को तेज इंटरनेट स्पीड और बेहतर परफार्मेंस का अनुभव मिल सके। कंपनी ने इस फोन को खास तौर पर उन यूजर्स के लिए पेश किया है जो लंबी बैटरी लाइफ, बेहतर कैमरा और तेज कनेक्टिविटी चाहते हैं। फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 चिपसेट दिया गया है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल और मल्टीटास्किंग के दौरान स्मूद परफार्मेंस देने के लिए जाना जाता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर शामिल है। यह कैमरा यूजर्स को बेहतर क्वालिटी की तस्वीरें और वीडियो कैप्चर करने में मदद करता है। कीमत की बात करें तो इसके 4जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत 18,999 रुपये रखी गई है, जबकि 6जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वाले माडल की कीमत 20,999 रुपये है। यह स्मार्टफोन औरोरा गोल्ड और प्लूम परपल रंगों में उपलब्ध है। लान्च आफर्स के तहत ग्राहकों को 1000 रुपये का इंस्टेंट कैशबैक भी दिया जा रहा है। इसके अलावा एसबीआई समेत कई बैंकों के कार्ड पर तीन महीने तक की नो-कास्ट ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

मस्क पर कानूनी शिकंजा, ट्वीट्स से निवेशकों को गुमराह करने का आरोप, एलन मस्क, लग सकता है 21000 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। एलन मस्क एक बार फिर कानूनी विवादों में घिर गए हैं। कैलिफोर्निया की एक संघीय जूरी ने 2022 में ट्विटर (अब एक्स) के अधिग्रहण के दौरान उनके कुछ ट्वीट्स को भ्रामक माना है। इस मामले में मस्क पर करीब 2.6 अरब डालर (लगभग 21,000 करोड़ रुपये) तक का जुर्माना लग सकता है। जूरी के अनुसार मस्क के कुछ ट्वीट्स ने कंपनी के शेयरों की कीमत को प्रभावित किया। उन्होंने ट्विटर पर फर्जी (स्पैम) अकाउंट्स की संख्या को लेकर सवाल उठाए और एक समय पर अधिग्रहण को होल्ड पर बताने वाला ट्वीट भी किया। इन बयानों से निवेशकों में भ्रम फैला और कई लोगों ने अपने शेयर कम कीमत पर बेच दिए। हालांकि जूरी ने मस्क को किसी बड़ी धोखाधड़ी की साजिश का दोषी नहीं ठहराया, लेकिन यह जरूर माना कि उनके कुछ बयान प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन करते हैं। वहीं, उनके कुछ पाडकास्ट बयान व्यक्तिगत राय की श्रेणी में रखे गए। यह क्लास-एक्शन मुकदमा हजारों निवेशकों की ओर से दायर किया गया था। आरोप था कि मस्क ने जानबूझकर ऐसे बयान दिए जिससे कंपनी की बाजार कीमत गिरे और वे सौदे की शर्तों को बदल सकें या उससे पीछे हट सकें।

रेमंड के चेयरमैन गौतम सिंघानिया मालदीव स्पीडबोट हादसे में घायल

नई दिल्ली। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया मालदीव में हुए एक स्पीडबोट हादसे में घायल हो गए. दुर्घटना के बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सिंघानिया के प्रवक्ता ने बताया कि उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। स्पीडबोट में कुल सात लोग सवार थे, जिनमें से दो लापता हैं। पर्यटकों को ले जा रही एक तेज रफ्तार स्पीडबोट अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस नाव में सात लोग सवार थे, जिनमें रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया भी शामिल थे। स्पीडबोट पर सवार पांच भारतीय पुरुषों में से दो अभी भी लापता हैं। इनमें प्रसिद्ध रैली ड्राइवर हरि सिंह का नाम भी शामिल है। मालदीव की कोस्ट गार्ड और बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च आपरेशन चला रहे हैं। गौतम सिंघानिया को एडवेंचर स्पोर्ट्स और तेज रफ्तार का शौकीन माना जाता है है। उन्हें दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती दाखिल कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक उन्हें कुछ खरोंच और मामूली चोटें हैं, लेकिन वह खतरे से बाहर हैं। रेमंड ग्रुप का कारोबार कपड़ा, रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग और कंज्यूमर केयर जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। गौतम सिंघानिया की नेटवर्थ 11,000 करोड़ रुपये है।

कच्चे तेल में नरमी, भारत में प्रीमियम पेट्रोल और थोक डीजल महंगे

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू द्वारा ईरान

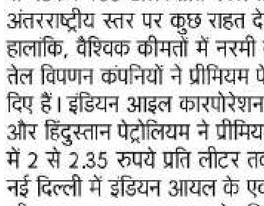

की ईंधन सुविधाओं पर आगे हमले से बचने की प्रतिबद्धता जताने के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डालर प्रति बैरल से घटकर 105 डालर प्रति बैरल तक आ गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत देखने को मिली। हालांकि, वैश्विक कीमतों में नरमी के बावजूद भारत में तेल विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं। इंडियन आइल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2 से 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। नई दिल्ली में इंडियन आयल के एक्सपी 95 पेट्रोल की कीमत बढ़कर 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। यह ईंधन उच्च आक्टेन रेटिंग के कारण बेहतर प्रदर्शन वाले वाहनों के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा कंपनियों ने थोक या औद्योगिक डीजल की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। इंडियन आयल ने थोक डीजल की कीमत 22 रुपये बढ़ाकर 109.59 रुपये प्रति लीटर कर दी है, जबकि भारत पेट्रोलियम ने 18.75 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। इसका असर उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ सकता है। सरकार के अनुसार, सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है।

मारुति डिजायर की बिक्री 30 लाख यूनिट के पार, बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की लोकप्रिय सेडान मारुति सुजुकी डिजायर ने एक नया रिकार्ड कायम किया है। इस कार की कुल बिक्री 30 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर चुकी है। यह उपलब्धि काम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में डिजायर की मजबूत पकड़ और लगातार बनी हुई लोकप्रियता को दर्शाती है। कंपनी के मुताबिक वर्ष 2025 में भी डिजायर ने शानदार प्रदर्शन किया।

पूरे साल में इसकी 2,14,488 से अधिक यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिसके साथ यह भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई। खास बात यह है कि देश में एसयूवी वाहनों की बढ़ती मांग के बावजूद डिजायर की बिक्री पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और इसकी लोकप्रियता बरकरार रही। इस कार को पहली बार वर्ष 2008 में भारतीय बाजार में पेश किया गया था। तब से लेकर अब तक यह चार पीढ़ियों में विकसित हो चुकी है और समय के साथ इसमें कई आधुनिक फीचर्स जोड़े गए हैं। किफायती कीमत, बेहतर माइलेज और भरोसेमंद प्रदर्शन के कारण यह कार लंबे समय से ग्राहकों की पसंद बनी हुई है। इसके अलावा कनेक्टेड कार टेक्नोलाजी भी दी गई है। माइलेज के मामले में भी यह कार मजबूत मानी जाती है।

पेट्रोल मैनुअल वर्जन में लगभग 24.79 किमी प्रति लीटर और सीएनजी विकल्प में करीब 33.73 किमी प्रति किलोग्राम तक माइलेज देने का दावा किया गया है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें छह एयरबैग, एबीएस और इलेक्ट्रानिक स्थिरता नियंत्रण जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। कंपनी का कहना है कि डिजायर खरीदने वाले करीब 50 प्रतिशत ग्राहक ऐसे हैं जो पहली बार कार खरीद रहे हैं। नई डिजायर में कई आधुनिक सुविधाएं भी दी गई हैं। इसमें इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, 9 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम और वायरलेस एंड्रायड आटो व एप्पल कारप्ले जैसी तकनीक शामिल हैं।

बेस्टून की माइक्रो इलेक्ट्रिक कार बेस्टून शाओमा चर्चा में

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी बेस्टून की माइक्रो इलेक्ट्रिक कार बेस्टून शाओमा चर्चा में बनी हुई है। साल 2023 में चीनी बाजार में लान्च हुई इस कार ने अपनी कम कीमत और दमदार रेंज के चलते खास पहचान बनाई थी। बेस्टून शाओमा की कीमत 30,000 से 50,000 युआन यानी लगभग 3.47 लाख से 5.78 लाख रुपये के बीच है, जो इसे बेहद किफायती बनाती है। कंपनी का दावा है कि यह कार फुल चार्ज पर 1200 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है, जो इस सेगमेंट में बेहद आकर्षक आंकड़ा है। चीन में माइक्रो ईवी की डिमांड काफी ज्यादा है और अब भारत में भी इस तरह की सस्ती इलेक्ट्रिक कारों की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में इसे भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है, जहां इसका मुकाबला टाटा टियागो ईवी और एमजी कामेट ईवी जैसी कारों से होगा। फीचर्स की बात करें तो शाओमा को हार्डटाप और कन्वर्टिबल दोनों वेरिएंट में पेश किया गया है, हालांकि फिलहाल हार्डटाप माडल ही बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसमें 7-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, डुअल-टोन डैशबोर्ड और आकर्षक डिजाइन दिया गया है। इसके गोल किनारों वाले बड़े हेडलैंप और एयरोडायनामिक व्हील्स इसकी लुक को और खास बनाते हैं। यह कार एफएमई प्लेटफार्म पर आधारित है, जो खास तौर पर इलेक्ट्रिक और रेंज-एक्सटेंडर वाहनों के लिए तैयार किया गया है। इसमें 20 किलोवाट की सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो रियर एक्सल पर लगी है। साथ ही, इसमें लिथियम-आयरन फास्फेट बैटरी का इस्तेमाल किया गया है। सेफ्टी के लिए ड्राइवर साइड एयरबैग भी मिलता है। कुल मिलाकर, बेस्टून शाओमा जैसी किफायती और लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक कार भारत में लान्च होती है, तो यह बजट ईवी सेगमेंट में बड़ा बदलाव ला सकती है। बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट तेजी से विस्तार कर रहा है और विदेशी कंपनियां भी इस बाजार में लगातार अपनी मौजूदगी बढ़ा रही हैं।

सीबीडीटी ने नए इनकम टैक्स नियम नोटिफाई किए, 1 अप्रैल से होंगे लागू

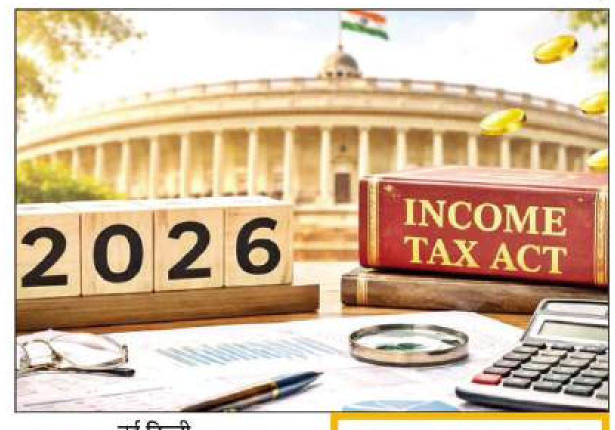

बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद भी 50 फीसदी एचआरए छूट की श्रेणी में शामिल

नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियम, 2026 को अधिसूचित कर दिया है, जो नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। इन नियमों में वेतन कराधान, अनुपालन खुलासा, ट्रांसफर प्राइसिंग और विदेशी कर क्रेडिट से जुड़े कई अहम बदलाव किए गए हैं। बसे बड़ा बदलाव हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) से जुड़ा है।

अब बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद को भी 50 फीसदी एचआरए छूट की श्रेणी में शामिल किया गया है। इससे पहले यह सुविधा केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे मेट्रो शहरों तक सीमित थी। बाकी शहरों के लिए एचआरए छूट की सीमा 40 फीसदी ही रहेगी। इस कदम से उभरते महानगरों में बढ़ते किराये के बोझ को औपचारिक मान्यता मिली है। हालांकि, नोएडा और गुरुग्राम जैसे उच्च किराया वाले शहर अभी भी इस सूची से बाहर हैं।

नए नियमों में नियोक्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के कराधान को भी स्पष्ट किया गया है। अब इन्हें छोटी पेट्रोल या डीजल कार के बराबर माना जाएगा, जिससे परिक्विजिट टैक्स की गणना आसान होगी। इसके अलावा, बीमा प्रीमियम से जुड़े वित्तीय लेनदेन की रिपोर्टिंग सीमा में बदलाव किया गया है।

अब बीमा कंपनियों को 5 लाख रुपये से अधिक के प्रीमियम (जहां पैन उपलब्ध है) और 2.5 लाख रुपये से अधिक (जहां पैन उपलब्ध नहीं है) के मामलों की जानकारी देनी होगी। कुल मिलाकर, नए नियम कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने और शहरी आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप ढालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

नई जनरेशन ईवी बीएमडब्ल्यू आई3 नेयू क्लासे वैश्विक स्तर पर पेश

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू कंपनी ने अपनी नई जनरेशन ईवी बीएमडब्ल्यू आई3 नेयू क्लासे को वैश्विक स्तर पर पेश कर दिया है। यह कार न सिर्फ डिजाइन के मामले में पूरी तरह नई है, बल्कि इसकी रेंज और एडवांस टेक्नोलाजी इसे मौजूदा इलेक्ट्रिक कारों से अलग बनाती है। इस नई आई3 की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबी रेंज है। कंपनी के मुताबिक यह कार एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 900 किलोमीटर तक चल सकती है, जो इसे मौजूदा कई लोकप्रिय ईवी से आगे ले जाती है। तुलना करें तो टेसला माडल वाय की रेंज करीब 500 किलोमीटर के आसपास मानी जाती है। ऐसे में बीएमडब्ल्यू की यह नई पेशकश लंबी दूरी की ड्राइव को काफी आसान बना सकती है। परफार्मेंस के मामले में भी यह कार काफी दमदार है। इसमें ड्यूल मोटर सेटअप दिया गया है, जो आल-व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आता है। यह सेटअप लगभग 463 हार्सपावर की ताकत और 633 एनएम का टार्क जनरेट करता है, जिससे यह कार न सिर्फ इको-फ्रेंडली बल्कि हाई-परफार्मेंस ड्राइविंग का अनुभव भी देती है। चार्जिंग टेक्नोलाजी इसकी एक और बड़ी खासियत है। 800-वोल्ट आर्किटेक्चर के चलते यह कार सिर्फ 10 मिनट की चार्जिंग में लगभग 400 किलोमीटर तक की रेंज हासिल कर सकती है। इसका मतलब है कि लंबी यात्राओं के दौरान बार-बार चार्जिंग के लिए रुकने की जरूरत काफी कम हो जाएगी। डिजाइन की बात करें तो बीएमडब्ल्यू आई3 नेयू क्लासे में नया 2.5-बाक्स डिजाइन देखने को मिलता है, जो इसे माडर्न और एयरोडायनामिक लुक देता है। लंबा व्हीलबेस और स्लिम प्रोफाइल इसे और आकर्षक बनाते हैं।

माइक्रोफाइनैंस क्षेत्र के लिए 20 हजार करोड़ की क्रेडिट गारंटी योजना शुरू

सरकार ने छोटे और मध्यम एमएफआई को ध्यान में रखकर बनाई योजना

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने माइक्रोफाइनैंस संस्थानों (एमएफआई) के लिए 20,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट गारंटी योजना शुरू की है। यह योजना 20 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक या कुल गारंटी सीमा पूरी होने तक लागू रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य एमएफआई सेक्टर में नकदी की कमी को दूर करना और बैंकों के माध्यम से ऋण प्रवाह को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी बैंकों को एमएफआई को दिए गए ऋण पर गारंटी कवर प्रदान करेगी। छोटे एमएफआई (500 करोड़ रुपए से कम एयूएम) को 80 फीसदी तक, मध्यम (500-2000 करोड़ रुपए) को 75 फीसदी और बड़े संस्थानों को 70 फीसदी तक गारंटी मिलेगी। यह व्यवस्था खास तौर पर छोटे और मध्यम एमएफआई को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जिन्हें ऋण प्राप्त करने में अधिक कठिनाई होती है। योजना के तहत मिलने वाली फंडिंग केवल नए ऋणों के लिए होगी और इसका उपयोग पुराने कर्ज चुकाने में नहीं किया जा सकेगा। इससे वास्तविक आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय में एमएफआई को बैंकों से मिलने वाले ऋण में लगभग 70 फीसदी की गिरावट आई है। इसके चलते करीब 50 लाख उधारकर्ता औपचारिक वित्तीय सेवाओं से वंचित हो गए हैं। हालांकि पोर्टफोलियो गुणवत्ता में सुधार हुआ है, फिर भी नकदी संकट बना हुआ है। सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए ब्याज दरों पर सीमा तय की है कि लाभ अंतिम उधारकर्ताओं तक पहुंचे। बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण पर ब्याज दर बाह्य बेंचमार्क या 1-वर्षीय एमसीएलआर में अधिकतम 2 फीसदी अतिरिक्त तक सीमित रहेगी। यह योजना बैंकों का भरोसा बढ़ाने, ऋण प्रवाह सुधारने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

एलपीजी संकट से दिल्ली में मजदूरों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट

शहरों में खाना हुआ महंगा, गांव लौटने को मजबूर हुए कामगार

नई दिल्ली

नई दिल्ली की तंग गलियों से लेकर बड़े कारखानों तक एलपीजी की किल्लत का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने से आम लोगों का जीवन कठिन हो गया है। बाहर खाने की कीमतों में तेजी आई है जो भोजन पहले 100 रुपये में मिलता था, अब 120 रुपये या उससे अधिक में मिल रहा है। टैक्सी चालक बढ़ती लागत से परेशान हैं और गांव लौटने पर विचार कर रहे हैं। खाने की डिलिवरी करने वाले गोपाल जैसे कई गिग वर्करों की स्थिति और खराब हो गई है। आर्डर कम होने से उनकी रोजाना कमाई 1,600 रुपये से घटकर 450-500 रुपये रह गई है। एलपीजी की कमी के कारण कई रेस्तरां बंद या धीमे पड़ गए हैं, जिससे रोजगार के अवसर घट गए हैं। मजबूरी में कई श्रमिक अपने गृह नगर लौट चुके हैं, हालांकि कुछ लोग काम की तलाश में फिर से शहर लौट रहे हैं। श्रमिकों के पलायन से कंपनियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक लाजिस्टिक कंपनी के अनुसार, उन्हें लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए कंपनियां उपस्थिति बोनस और भर्ती शिविर जैसे उपाय अपना रही हैं। वाहन उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि श्रमिकों की कमी उत्पादन पर सीधा असर डाल रही है। कारखानों की कैंटीन, जो कम वेतन वाले श्रमिकों के लिए भोजन का मुख्य स्रोत होती हैं, एलपीजी की कमी से प्रभावित हैं। कई श्रमिक घरेलू एलपीजी कनेक्शन के बजाय छोटे अनौपचारिक सिलिंडरों पर निर्भर रहते हैं, जिनकी आपूर्ति भी अब बाधित हो गई है। इससे श्रमिकों की उपस्थिति और उत्पादकता पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। एलपीजी की कमी अब केवल ईंधन का मुद्दा नहीं रह गया है।

टाटा मोटर्स ने अपने कर्मचारियों की सैलरी में किया बढ़ा इजाफा......मेडिकल रेफरल राशि बढ़ी

जमशेदपुर। दुनिया वर्तमान में अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। एक ओर युद्ध का माहौल है। वहीं दूसरी ओर नौकरियों को लेकर लोगों के मन में डर बढ़ रहा है। अमेरिका और इजरायल की सेना द्वारा ईरान पर लगातार हमले हो रहे है। पहले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव ने साफ्टवेयर इंडस्ट्री में नौकरी को लेकर असुरक्षा बढ़ा दी है। कई कंपनियों में छंटनी की खबरें आई। जिससे कर्मचारियों में डर का माहौल बना हुआ है। अब युद्ध की स्थिति ने चिंता को और बढ़ा दिया है। लेकिन नकारात्मक माहौल के बीच एक राहत भरी खबर झारखंड के जमशेदपुर से सामने आई है। जहां टाटा मोटर्स ने अपने कर्मचारियों के लिए बड़ी सौगात दी है। कंपनी के जमशेदपुर प्लांट में चार साल बाद ग्रेड रिविजन को लेकर बड़ा समझौता हुआ है। टाटा मोटर्स मैनेजमेंट और टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के बीच हुए समझौते से 7321 कर्मचारियों को सीधा फायदा होगा। इस समझौते के तहत कर्मचारियों की सैलरी में करीब 19,750 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है।

आईपीएल 2026 : विराट कोहली ने आरसीबी खिलाड़ियों को दी चेतावनी, कहा-चुनौतियां और ज्यादा कठिन

बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से पहले डिफेंडिंग चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने साथियों को आगाह किया है कि इस सीजन में टीम के सामने चुनौतियां और ज्यादा कठिन होने वाली हैं।

आरसीबी, जिसने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, 28 मार्च को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स से घरेलू मैदान पर भिड़ेगी।

शनिवार को आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपना पहला अभ्यास सत्र किया। इस दौरान कोहली ने खिलाड़ियों के एक छोटे समूह से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले दो-तीन सीजन की कड़ी मेहनत के बाद टीम ने जो हासिल किया, उसे बनाए रखना अब और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी।

कोहली ने खिलाड़ियों से अपील की कि वे शुरुआत से ही पूरी गंभीरता दिखाएं। उन्होंने कहा, हम इन दिनों को बेकार नहीं जाने दे सकते। हमें हर सत्र में अपना 120 प्रतिशत देना होगा और एक भी मिनट की बर्बादी नहीं करनी चाहिए।

टीम के नए खिलाड़ियों का स्वागत हेड कोच एंडी फ्लावर ने किया, जिसके बाद कोहली ने सभी को प्रेरित किया।

नीलामी में आरसीबी ने वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जार्डन काक्स, विक्की ओस्टवाल और सात्विक देसवाल जैसे खिलाड़ियों को शामिल कर टीम को और मजबूत किया है।

कोच फ्लावर ने टीम संयोजन पर संतोष जताते हुए कहा कि इस बार स्क्वाड पहले से ज्यादा संतुलित है। उन्होंने कहा, हमारे पास अब जर्सी पर स्टार है, जो गर्व की बात है, लेकिन पिछला सीजन खत्म हो चुका है। अब हमारे सामने नई चुनौती है और हम इसे जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगे।

न्यूज ब्रीफ

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 से पहले 31 मार्च को ज़ाम्बिया से खेलेगा फ्रेंडली मैच

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना फुटबाल संघ ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए बताया कि टीम जाम्बिया से भिड़ेगी, जबकि पहले यह मैच ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रस्तावित था। पहले अर्जेंटीना को इस महीने कतर में स्पेन के खिलाफ फाइनलिसिमा और मेजबान टीम के खिलाफ मुकाबला खेलना था। ये दोनों मुकाबले कतर फुटबाल उत्सव का हिस्सा थे और फाइनलिसिमा मैच लुसैल स्टेडियम में आयोजित होना था, जहां लियोनेल मेसी ने पिछला विश्व कप जीता था। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया, जिसके बाद अर्जेंटीना को अपनी योजना में बदलाव करना पड़ा। इसके बाद विश्व चैंपियन टीम ने तय किया कि वह अपने दोनों मैत्री मुकाबले घरेलू मैदान पर ही खेलेगी। ये मुकाबले 27 और 31 मार्च को ब्यूनस आयर्स में आयोजित होंगे। फीफा के नियमों के अनुसार, कोई भी टीम एक ही अंतरराष्ट्रीय अवधि में दो अलग-अलग महाद्वीपों में मुकाबले नहीं खेल सकती। इसी वजह से ग्वाटेमाला की जगह अब जाम्बिया को शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबाल संघ के अनुसार, मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी के मार्गदर्शन में टीम 31 मार्च को रात 8:15 बजे ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में जाम्बिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। साथ ही संघ ने ग्वाटेमाला फुटबाल महासंघ का आभार व्यक्त किया, जिसने नियमों की बाधाओं के बावजूद सहयोग की इच्छा जताई।

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रायल्स से खेलेगी। इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अलग है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले इरफान पठान की पसंदीदा टीम आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)।

अवार्ड समारोह में जो इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की ड्रेस पहनकर पहुंची थी मंधाना वह है विशेष

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना खेल के साथ ही अपने स्टायलिश अंदाज के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। मंधाना हाल ही में बीसीसीआई के साल 2024-25 सत्र के अवार्ड समारोह में जब पहुंची थीं तब उनकी 4.50 लाख रुपये की खास ड्रेस सभी देखते रह गये थे। मंधाना जब सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर के अवार्ड के लिए मंच पर पहुंची तो उन्होंने इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की चमकती ड्रेस पहनी हुई थी। ये उनकी ऊर्जा और आत्मविश्वास को बताती है। इस ड्रेस को सिल्क नहीं, बल्कि मेटल वायर से तैयार किया जाता है। ये ड्रेस पिघली धातु जैसी चमकती नजर आती है। इसे बनाने में कार्डेड टेक्स्चर तकनीक इस्तेमाल होती है, जिससे सतह पर उभरा हुआ स्ट्रक्चर बनता है और रोशनी पड़ने पर बिजली जैसी लकीरें दिखती हैं। इसकी कीमत तकरीबन 4.50 लाख रुपए पड़ती है। कई सप्ताह की मेहनत के बाद फैब्रिक बेस पर सिलकर तैयार किया जाता है।

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एक दिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है।

पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे।

अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवीसय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने हैं। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और आलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी।

चयन पैनल बीसीसीआई की उपसमिति और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का अनुबंध सितंबर में समाप्त होना है। ऐसे में बीसीसीआई देखेगा कि अगरकर को आगे भी रखा जाये या किसी अन्य को ये जिम्मेदारी दी जाये। नियमों के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक रह सकता है और उसे करार आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध करने की जरूरत नहीं होती है। अगरकर जुलाई 2023 में चयनसमित के अध्यक्ष बने थे ऐसे में अगले साल सितबंर में उनके चार साल हो जाएंगे।

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

जयपुर। राजस्थान रायल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें। उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है। वहीं वैभव का लक्ष्य इस बार सबसे अधिक स्कोर का क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ना रहेगा।

भारतीय टीम जून में करेगी आयरलैंड का दौरा, खेलेगी 2 टी20 मैचों की सीरीज

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को घोषणा की कि ट्वेंटी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज खेली जाएगी।

यह सीरीज विश्व कप जीत के बाद भारत की पहली ट्वेंटी-20 श्रृंखला होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। भारत ने पिछले आठ वर्षों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। वहीं, 2007 के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम बेलफास्ट में मुकाबला खेलेगी।

दूसरी ओर, आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच एकदिवसीय मुकाबले भी खेलने हैं।

भारत बनाम आयरलैंड श्रृंखला का कार्यक्रम

पहला ट्वेंटी-20 मुकाबला: 26 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टार्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

दूसरा ट्वेंटी-20 मुकाबला: 28 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टार्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

आईपीएल में अब तक सबसे अधिक छक्के मारने वाली टीम है मुम्बई इंडियंस

मुम्बई। इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होगा। आईपीएल के इस सत्र में एक बार फिर दुनिया भर के क्रिकेटर भारत में खेलते दिखेंगे। विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के तौर पर पहचान बनाने वाली आईपीएल में जमकर चौके, छक्के लगते हैं। इस बार भी प्रशंसकों को इसमें बड़े शाट देखने को मिलेंगे। इस लीग में हमेशा ही नये रिकार्ड बनते रहे हैं। इसी में से एक है सबसे अधिक छक्के का रिकार्ड। ये रिकार्ड पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस के नाम है। मुंबई की टीम ने साल 2008 से 2025 तक कुल 1823 से अधिक छक्के लगाये हैं। टीम ने अब तक कुल 277 मैचों खेलते हुए हर मैच में औसतन 6.44 छक्के लगाए गए हैं। वहीं मुम्बई की ओर से खेलते हुए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या ने काफी छक्के लगाए हैं। रोहित ने ही अकेले 300 से अधिक छक्के लगाये हैं। रोहित की कप्तानी में टीम ने पांच बार खिताब भी जीता है पर अब टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या के पास है। वहीं सबसे ज्यादा छक्के मारने के मामले में दूसरे नंबर पर रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) है। अब तक खेले गए 271 मैचों में आरसीबी ने 1774 छक्के लगाए हैं।

मियामी ओपन 2026 : अल्कराज और साबालेंका ने जीते अपने शुरुआती मुकाबले, रुड बाहर

मियामी

मियामी ओपन 2026 में शुक्रवार को हुए मुकाबलों में पुरुष और महिला वर्ग के शीर्ष खिलाड़ियों ने जीत के साथ शानदार शुरुआत की, जबकि एक बड़े उलटफेर में नार्वे के कैस्पर रुड को हार का सामना करना पड़ा।

कार्लोस अल्कराज ने आसानी से बनाई तीसरे दौर में जगह विश्व नंबर एक स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका को 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। अल्कराज ने दोनों सेट में शुरुआती बढ़त बनाकर मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने सामने आए सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। अब उनका अगला मुकाबला अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा से होगा।

महिला वर्ग में विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने अमेरिका की ऐन ली को 7-6, 6-4 से हराकर अपने खिताब बचाने के अभियान की सफल शुरुआत की।

अमेरिका की कोको गाफ ने शानदार वापसी करते हुए एलिसाबेट्टा कोच्चियारेत्तो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। वहीं अमांडा एनीसिमोवा ने अजला टोमल्यानोविच को 6-1, 5-7, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

अमेरिका के ईथन क्विन ने कैस्पर रुड को 6-4, 7-6 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। वहीं जापान के रेई साकामोटो ने अलेक्जेंडर कोवाचेविच को हराकर अपने करियर की पहली बड़ी जीत दर्ज की। अब साकामोटो का अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा, जिससे एक और रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026 : पहले दिन अमेरिका का दबदबा

कुजावी-पोमोर्जे

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026 के पहले दिन (शुक्रवार) चार रोमांचक फाइनल मुकाबलों में खिताबों का फैसला हुआ। उद्घाटन दिवस पर खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को शानदार शुरुआत दी।

60 मीटर दौड़ में जार्डन एंथनी का स्वर्ण अमेरिका के 21 वर्षीय धावक जार्डन एंथनी ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 60 मीटर दौड़ 6.41 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

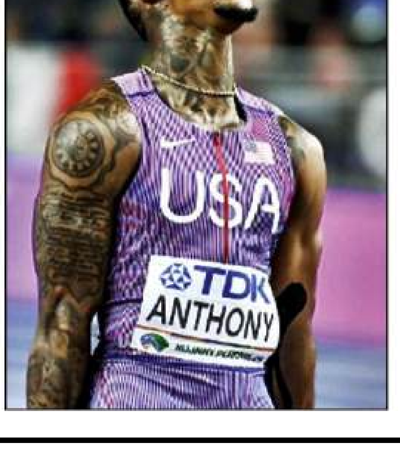

गोला फेंक में चेस जैक्सन बनीं विजेता

अमेरिका की चेस जैक्सन ने गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को दिन का दूसरा स्वर्ण दिलाया। बाहरी प्रतियोगिताओं की दो बार की विश्व विजेता जैक्सन का यह पहला इंडोर वैश्विक खिताब है।

ऊंची कूद में यारोस्लावा महुचिख का दबदबा कायम

ओलंपिक चैंपियन यारोस्लावा महुचिख ने 2.01 मीटर की छलांग लगाकर ऊंची कूद का खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में तीन खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से रजत पदक जीता।

तिहरी कूद में एंडी डियाज ने खिताब बरकरार रखा

तिहरी कूद में एंडी डियाज ने 17.47 मीटर की शानदार छलांग लगाकर अपना खिताब बचाया। वह 2004 के बाद लगातार दो बार यह खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। पहले दिन के मुकाबलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस प्रतियोगिता में आगे भी कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

ब्राजील के गोलकीपर एलिसन मार्च में होने वाले ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से बाहर

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील फुटबाल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार गोलकीपर एलिसन बेकर चोट के कारण मार्च में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से बाहर हो गए हैं। इस बात की पुष्टि ब्राज़ीलियन फुटबाल फेडरेशन ने शुक्रवार को की। ब्राजील को 26 मार्च को फ्रांस फुटबाल टीम और 31 मार्च को क्रोएशिया फुटबाल टीम के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, जो क्रमश: बोस्टन और आरलैंडो में आयोजित होंगे। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने गुरुवार को घोषित टीम में एलिसन को शामिल किया था, लेकिन अब उनकी जगह ह्यूगो सूज़ा को टीम में शामिल किया गया है। 33 वर्षीय एलिसन अपने क्लब लिवरपूल एफसी के लिए भी अगला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। शनिवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ होने वाले मैच में उनकी जगह जार्जी मामार्दाशविली के गोलकीपिंग करने की संभावना है। इस सीजन में एलिसन लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। वह 10 मार्च को यूईएफए चैंपियंस लीग के राउंड आफ-16 के पहले लेग में गालतासराय के खिलाफ मुकाबला भी नहीं खेल पाए थे, हालांकि उससे पहले के दो मैचों में उन्होंने हिस्सा लिया था। इसके अलावा हैमस्ट्रिंग चोट के चलते वह अक्टूबर से नवंबर के बीच लिवरपूल के आठ मैचों से भी बाहर रहे थे। फिलहाल प्रीमियर लीग में लिवरपूल 49 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और टाप-4 में जगह बनाने की जंग लड़ रहा है।

शास्त्र वस्त्र संहिता...

रोजमर्रा के जीवन में व्यक्ति जो भी काम करता है उसका संबंध भूत, भविष्य और वर्तमान से होता है। जीवन में जो भी कार्य किए जाएं वो शास्त्र सम्मत होने चाहिए न की अपनी इच्छा के अनुसार करने चाहिए। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। कपड़ो से संबंधित कुछ खास बातों को ध्यान में रखने से व्यक्ति कभी गरीब नहीं होता। शास्त्रों में कहा गया है की नहाने के बाद गिले वस्त्रों को ऊपर से उतारना चाहिए। नदी में स्नान करने के बाद कपड़ों को ऊपर से नीचे की ओर उतारें। भीगे हुए कपड़ों की चार परत करने के बाद निचोड़ें। कपड़े सुखाते समय पूर्व से या उत्तर से दक्षिण की ओर फैलाना चाहिए। निचोड़े हुए कपड़ों को कंधे पर नहीं रखना चाहिए। नग्न अवस्था में स्नान न करें। शास्त्र वस्त्र संहिता के अनुसार एक वस्त्र धारण करके न तो भोजन करें, न यज्ञ करें, न दान करें, न अग्नि में आहूति दें, न स्वाध्याय करें, न पितृ तर्पण करें। जिसकी किनारी या मगजी न लगी हो, ऐसे वस्त्र धारण करने योग्य नहीं। पहले के पहने हुए वस्त्र को बिना धोए पुनः नहीं पहनना चाहिए। वस्त्र के ऊपर जल छिड़क कर ही उसे पहनना चाहिए। धन के रहते हुए पुराने और मैले वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। मनुष्य को भीगे हुए वस्त्र नहीं पहनने चाहिएं। अधिक लाल, रंग बिरंगे, नीले और काले रंग के वस्त्र धारण करना उत्तम नहीं। कपड़ों और गहनों को उल्टा कभी न पहनें।

मोमबत्ती से हो सकती हैं ये खतरनाक बीमारियां

मोमबत्ती का जलाने का शौक आपको भारी पड़ सकता है। मोमबत्ती के पैराफीन के जलने से बेंजीन और टोल्यूनी धुए में फैलते हैं, जिससे कैंसर होता है। किडनी में गांठ हो सकती है। पैराफीन का धुआं किडनी में गांठ खतरा पैदा कर देता है। कैंडल्स से निकले पैराफीन वैक्स अस्थमा और सांस से संबंधित समस्याएं होने का डर रहता है। सिरदर्द और एलर्जी की समस्या पैदा हो सकती है।

खुजली हो या दांत का दर्द हींग है कारगर

सब्जी व दाल में तड़का लगा कर उनका स्वाद बढ़ाने वाली हींग कई बीमारियों के लिए फायदेमंद मानी जाती है। खाज-खुजली से लेकर पेट संबंधी सभी परेशानियों का अंत कर देती है हींग।

त्वचा संबंधी रोग: दाद, खाज, खुजली या अन्य त्वचा संबंधी परेशानी होने पर हींग को पानी में घिसकर उस स्थान पर लगाएं।

दांत में कीड़ा: दांत में कीड़ा लगने पर हींग का छोटा टुकड़ा सोते वक्त दांत में दबाकर सोएं। इसे पानी में उबालकर कुल्ला करने से दांतों के दर्द में लाभ होता है।

पेट संबंधी परेशानी: इसमें मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेटी व एंटीऑक्सीडेंट्स पेट संबंधी परेशानियों जैसे अपच, एसिडिटी आदि में सहायक हैं। एसिडिटी होने पर थोड़ी हींग को अजवाइन व काले नमक के साथ लेने से लाभ होता है। वहीं इसे पानी में घिसकर नाभि के आसपास लगाने से भी आराम मिलता है।

खांसी में फायदेमंद: चुटकीभर हींग अदरक व शहद के साथ खाने से खांसी दूर होती है।

क्या वर्कआउट के बाद जरूरी है मसाज

वर्कआउट के बाद मसाज कराने में कोई परेशानी नहीं है। बल्कि इससे तो फयदा ही होता है, मसाज से ना केवल बेहतर महसूस होता है बल्कि मसल्स रिलेक्स होते हैं और दर्द दूर करने में भी सहायता मिलती है। कई बार एक्सरसाइज की शुरुआत करने पर मांसपेशियों में दर्द होता है। इसे एक्सरसाइज के दौरान होने वाला डीओएमएस यानि मांसपेशियों का शुरुआती दर्द कहते हैं। लेकिन आपको परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि पहली बार एक्सरसाइज करने पर थोड़ा दर्द होता हैं, लेकिन एक्सरसाइज करना छोड़ना नहीं चाहिए।

शोध करता है समर्थक: मसाज से रक्त संचार बेहतर होता है और एक्सरसाइज के बाद होने वाले मांसपेशियों के दर्द को भी इससे कम करने में मदद मिलती है। वर्कआउट के बाद डीप टिश्यू मसाज लेने से पोषक तत्वों को ऊर्जा में बदलने में मदद मिलती है। मेडिसीन एंड साइंस इन स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, मसाज लेना वर्कआउट के बाद होने वाली पीड़ा से छुटकारा पाने के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। आप एक्सरसाइज करने के थोड़ी देर बाद कुछ समय के लिए आराम भी कर सकते हैं। इससे एक्सरसाइज करने पर होने वाला दर्द कम हो जाता है। पूरी नींद लें कम से कम आठ घंटे सोने से हार्मोन का उत्पादन बढ़ता है जिससे टिशू रिपेयर और विकास में मदद मिलती है। सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर रमोना ब्रागैंजा के अनुसार, अगर आप हफ्ते में पांच बार वर्कआउट करते हैं, तो आपको हफ्ते में एक बार मसाज करानी चाहिए। अगर आप हफ्ते में कुछ ही दिन वर्कआउट करते हैं, तो आप दो हफ्तों में एक बार या एक महीने में एक बार मसाज करा सकते हैं।

खीरे के अद्भुत स्वास्थ्यवर्धक लाभ

खीरा सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके सौंदर्य लाभ के बारे में तो आपने काफी कुछ सुना होगा, लेकिन यह आपकी सेहत के लिए कितना और किस तरह फायदेमंद है इसके बारे में आज हम आपको बताते हैं। कम फैट व कैलोरी से भरपूर खीरे का सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक है।

सलाद के तौर पर प्रयोग किए जाने वाले खीरे में इरेप्सिन नामक एंजाइम होता है, जो प्रोटीन को पचाने में सहायता करता है। खीरा पानी का बहुत अच्छा स्रोत होता है, इसमें 96 प्रतिशत पानी होता है। खीरे में विटामिन ए, बी1, बी6 सी, डी पौटेशियम, फास्फोरस, आयरन आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। नियमित रूप से खीरे के जूस शरीर को अंदर व बाहर से मजबूत बनाता है। खीरा कब्ज से मुक्ति दिलाने के साथ ही पेट से जुड़ी हर समस्या में फायदेमंद साबित होता है। इसके अलावा एसिडिटी, छाती की जलन में नियमित रूप से खीरा खाना लाभप्रद होता है।

बालों व त्वचा की देखभाल

खीरे में सिलिकन व सल्फर बालों की ग्रोथ में मदद करते हैं। अच्छे परिणाम के लिए आप चाहें तो खीरे के जूस को गाजर व पालक के जूस के साथ भी मिलाकर ले सकते हैं। फेस मास्क में शामिल खीरे के रस त्वचा में कसाव लाता है। इसके अलावा खीरा त्वचा को सनबर्न से भी बचाता है। खीरे में मौजूद एस्कोरबिक एसिड व कैफीक एसिड पानी की कमी(जिसके कारण आंखों के नीचे सूजन आने लगती है।) को कम करता है।

कैंसर से बचाए

खीरा के नियमित सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। खीरे में साइकोइसोलएरीक्रिस्रोल, लैरीक्रिस्रोल और पाइनोरिस्रोल तत्व होते हैं। ये तत्व सभी तरह के कैंसर जिनमें स्तन कैंसर भी शामिल है के रोकथाम में कारगर हैं।

मासिक धर्म में फायदेमंद

खीरे का नियमित सेवन से मासिक धर्म में होने वाली परेशानियों से छुटकारा मिलता है। लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है, वो दही में खीरे को कसकर उसमें पुदीना, काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर रायता बनाकर खाएं इससे उन्हें काफी आराम मिलेगा।

मधुमेह व रक्तचाप में फायदेमंद

मधुमेह व रक्तचाप की समस्या से बचने के लिए नियमित रुप से खीरे का सेवन फायदेमंद हो सकता है। खीरे के रस में वो तत्व हैं जो पैनक्रियाज को सक्रिय करते हैं। पैनक्रियाज सक्रिय होने पर शरीर में इंसुलिन बनती है। इंसुलिन शरीर में बनने पर मधुमेह से लड़ने में मदद मिलती है। खीरा खाने से कोलस्ट्रोल का स्तर कम होता है। इससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका कम रहती है। खीरा में फाइबर, पोटैशियम और मैगनीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। खीरा हाई और लो ब्लड प्रेशर दोनों में ही एक तरह से दवा का कार्य करता है।

वजन कम करने में मददगार

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उन लोगों के लिए खीरे का सेवन काफी फायदेमंद रहता है। खीरे में पानी अधिक और कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने के लिए यह अच्छा विकल्प हो सकता है। जब भी भूख लगे तो खीरे का सेवन अच्छा हो सकता है। सूप और सलाद में खीरा खाएं। खीरा में फाइबर होते हैं जो खाना पचाने में मददगार होते हैं।

आंखों के लिए लाभकारी

अक्सर फेसपैक लगाने के बाद आंखों की जलन से बचने के लिए खीरे को स्लाइस की तरह काटकर आंखों की पलक के ऊपर पर रखते हैं। इससे आंखों को ठंडक मिलती है। खीरा की तासीर जलन कम करने की होती है। जरूरी नहीं है कि सिर्फ फेसपैक लगाने के बाद ही ऐसा कर सकते हैं। जब भी आंखों में जलन महसूस हो तो आप खीरे की मदद ले सकते हैं।

मसूड़े स्वस्थ रखता है

खीरा खाने से मसूड़ों की बीमारी कम होती हैं। खीरे के एक टुकड़े को जीभ से मुंह के ऊपरी हिस्से पर आधा मिनट तक रोकें। ऐसे में खीरे से निकलने वाला फाइटोकैमिकल मुंह की दुर्गंध को खत्म करता है।

जोड़ों की दवा

खीरे में सीलिशिया प्रचुर मात्रा में होता है। इससे जोड़ों को मजबूती मिलती है और टिशू परस्पर मजबूत होते हैं। गाजर और खीरे का जूस मिलाकर पीने पर गठिया बाय रोग में मदद मिलती है। इससे यूरिक एसिड का स्तर भी कम होता है।

तो आम सा दिखने वाला खीरा कई गुणों से भरपूर होता है। तो, बिना देर किए आप खीरे को अपने आहार और सलाद का हिस्सा बनाइए।

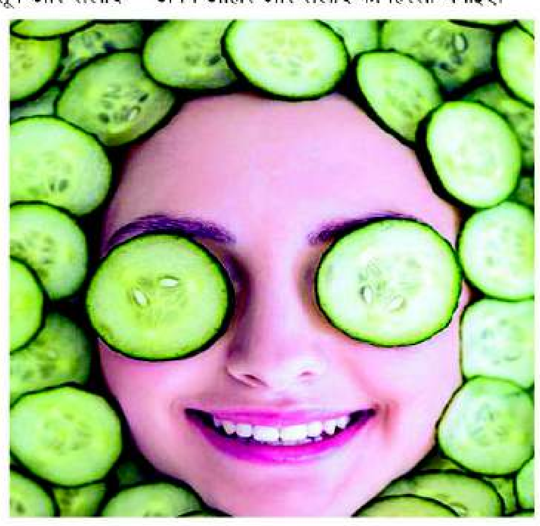

ये काम करने से आएगी अच्छी नींद

पूरे सप्ताह एक ही वक्त पर सोना और समय पर उठना ही अच्छी सेहत बनाता है और बीमारियों से दूर रहने में मदद करता है। वैसे तो हम सभी हर रोज सोते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि अच्छी व सेहतमंद नींद कैसी होती है और इसका क्या महत्व है।

कुछ विशेष प्रक्रियाएं सामान्य, गुणत्तापूर्ण नींद और दिनभर चुस्त रहने के लिए सेहतमंद नींद के लिए जरूरी हैं। सबसे ज्यादा जरूरी है नींद का समय निर्धारित होना। सोइए अपने शरीर की जरूरतों के अनुसार न कि बहुत कम या बहुत ज्यादा।

देश के ज्यादातर लोगों को यह जानकारी नहीं है कि मोटापा, तनाव, हाईपरटेंशन, मधुमेह, दिल के रोग आदि बीमारियां अनियमित निद्रा से जुड़ी हुई हैं। नींद की अनियमितता रिश्तों में तनाव, कामकाज की क्षमता पर प्रभाव, दुर्घटनाओं, याददाश्त और अन्य कमजोरियों और खराब किस्म के जीवन का कारण बनती है।

इन बातों का रखें ध्यान

* हर रोज एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें।
* अपने शयनकक्ष को सोने और अतरंग पलों के लिए ही रखें।
* अपने शयनकक्ष से टीवी, कंप्यूटर, स्मार्टफोन या टैबलेट और अन्य ध्यान भटकाने वाली चीजें दूर रखें।
* बहुत जरूरी हो तभी दिन में झपकी लें। बहुत ज्यादा नींद आने पर दोपहर में ली गई झपकी रात में हुई नींद की कमी को पूरा करने के लिए बेहतर विकल्प है, लेकिन यही झपकी आपके सोने की क्रिया को अस्त-व्यस्त भी कर सकती है।
* अगर फिर भी झपकी की जरूरत हो तो इसे 20 से 30 मिनट तक सीमित रखें।
* दोपहर के बाद कैफीन से दूर रहें और शराब भी बहुत कम लें।
* शराब नींद लाने का काम कर सकती है, लेकिन यह नींद को बिगाड़ भी कर सकती है।
* नियमित व्यायाम करें, लेकिन सोने से तीन घंटे पहले न करें।
* कामकाजी दिनों में नियमित व्यायाम जरूर करें और जरूरत पड़ने पर सप्ताहांत में नींद की कमी पूरा करें।

इस काम में अपार संभावनाएं मौजूद

कॅरियर के लिए आर्ट-रिस्टोरर बनना बेहतर

युवा हमेशा से अपने कॅरियर को लेकर काफी गंभीर होते हैं, क्योंकि कॅरियर के चुनाव से ही उनके जिंदगी की कामयाबी जुड़ी होती है। ऐसे में वे इसमें बहुत सावधानी बरतते हैं। इन दिनों आर्ट रिस्टोरर के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। एक आर्ट रिस्टोरर बनकर आप सम्मानजनक वेतन हासिल कर सकते हैं। इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

मिलेगी सरकारी नौकरी

प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है आर्ट रिस्टोरेशन, जिसमें पुराने किलों पर हुए आर्ट वर्क जो खराब हो चुके होते हैं उनकी मरम्मत करनी होती हैं। देश की धरोहर समझी जाने वाली प्राचीन कलाकृतियां या मूर्तियां, उनके रख रखाव का काम आर्ट रिस्टोरर का होता हैं। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है और आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है या कोर्स खत्म होने पर सरकारी नौकरी भी मिल सकती हैं।

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

फाइन आर्ट की जानकारी जरूरी

इस कॅरियर में जाने से पहले फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स करवाया जाता है , जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में पूरा ब्योरा दिया जाता हैं। कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्कि टेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रैजुएट की डिग्री होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुभव प्राप्त करने के लिए आपको किसी अच्छे आर्ट रिस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है।

इसलिए बढ़ जाता है हृदय रोग का खतरा

हृदय रोग या स्ट्रोक के कई कारण होते हैं। इसमें हमारे जींस तथा लिंग एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं लेकिन अधिकांश के लिए वे जो खाते हैं वह महत्वपूर्ण है। अच्छी खबर यह है कि अपनी डाइट में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय रोग तथा स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

- कम फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। ऐसे डेयरी उत्पादों से बचें जिनमें होल मिल्क या क्रीम शामिल हो। इसके विपरीत कम फैट वाले या बिना फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। कम फैट वाले स्नैक्स जैसे घर पर बने पॉपकार्न, गाजर, ड्राईफ्रूट्स या ताजा फलों का सेवन करें।
- स्टोर से खरीदे गए बेकरी उत्पादों के सेवन से बचें,जब तक कि उनमें सैचुरेटिड फैट्स कम न हों और वे ट्रांसफैट्स से रहित न हों। मक्खन या मार्गारीन की बजाय तरल कुकिंग ऑयल्स का इस्तेमाल करें। नस्टिक पैन्स का इस्तेमाल करें।
- अपने भोजन को फ्राई करने की बजाय इसे बेक, रोस्ट या स्टीम करें। पाम तथा कोकोनट ऑयल्स का प्रयोग न करें। अधिकतर वनस्पति तेल अनसैचुरेटिड होते हैं, लेकिन इन दोनों में अधिक सैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती है। इनकी बजाय आप कैनोला, सनफ्लावर, कार्न फ्लावर, सोयाबीन, ऑलिव या पीनट ऑयल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ऐसे खाद्यों पर जोर दें, जिनमें कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट्स मौजूद हों। जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां तथा मटर। इनमें कैलोरीका कम होती हैं और फाइबर उच्च मात्रा में होता है।
- अपने हृदय की रक्षा करने के लिए प्रचुर मात्रा में फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।
- हृदय रोगों का खतरा कम करने में मेवे भी बढ़िया भूमिका अदा करते हैं। ये स्वस्थकर प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। इनका सेवन ध्यान से करें, क्योंकि इनमें कैलोरीका बहुत होती हैं। इनके अधिक सेवन से वजन बढ़ सकता है।

रेसिपी

पनीर मक्खनी

सामग्री

ग्रेवी के लिए: 2 कप कटे हुए टमाटर, 1 कप स्लाईस्ड प्याज, 1/2 कप काजू, 4 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टोड़ी हुई, **अन्य सामग्री:** 3 टेबल-स्पून मक्खन, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 25mm दालचीनी का टुकड़ा, 3 लौंग, 2 इलायची, 2 तेजपत्ता, 1 टेबल-स्पून कसूरी मेथी, 2 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 कप टमाटर की प्युरी, नमक स्वादअनुसार, 1/4 कप फेंटा हुआ ताज़ा दही, 1 टी-स्पून शक्कर, 4 टेबल-स्पून फ्रेश क्रीम, 2 कप पनीर की पट्टीयां

विधि

ग्रेवी के लिए: सभी सामग्री को 11/2 कप पानी के साथ एक गहरे कढ़ाई मे मिलाकर उच्च तापमान पर 10-15 मिनट के लिये या टमाटर के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए उबाल लें। ठंडा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** गहरे कढ़ाई मे मक्खन गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। दालचीनी, लौंग, इलायची और तेज़पत्ता डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड और भुनें। कसूरी मेथी, गरम मसाला, टमाटर की प्युरी, तैयार मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट पकाएं। दही डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आँच पर एक और मिनट तक पकायें। शक्कर, 1/4 कप पानी, पनीर और क्रीम डालकर हल्के हाथों मिलायें और मध्यम आच पर 2 मिनट तक पकाएं। फ्रेश क्रीम से सजाकर गरमा गरम परोसें।

पनीर टमाटर पराठा

सामग्री

चपाती के लिए: 1 1/2 कप गेहू का आटा, नमक स्वादअनुसार, 1 1/2 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने और पकाने के लिए, गेहू का आटा , बेलने के लिए

मिलाकर भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 1/2 कप चूरा किया हुआ लो-फॅट पनीर, 3/4 कप बीज निकाले हुए और कटे हुए टमाटर, 1/4 कप कटी हुई पीली शिमला मिर्च, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार

विधि

चपाती के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिला लें और ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को ढ़क्कन से ढ़ककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। आटे को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, मुलायम होने तक दुबारा गूंथ लें।

आगे बढ़ने की विधी: भरवां मिश्रण को 10 भाग में बांट लें और एक तरफ रख दें। आटे को भी 10 भाग में बांट लें। आटे के 1 भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। गोले के आधे भाग में भरवां मिश्रण का एक भाग रखें और चंद्राकार में मोड़ ले। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर पराठे को उसके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**